www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 144 || लखनऊ
सोमवार
24 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 05:42
सूर्यास्तः 06:35
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07

विशेष समाचार: दिमागी नक्सली की बहस और... >> पेज 04 | बालिका गृह में दो बच्चियों... >> पेज 06 | धुरंधर की कामयाबी पर भावुक ...

जरूरत पड़ने पर दोबारा आंदोलन करेंगे, जंतर-मंतर प्रोटेस्ट के दौरान उठाई थीं 3 मांगें

सरकार ने वादे पूरे किए या नहीं, रिव्यू करेगी सीजेपी

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) सोमवार को अपनी नेशनल वर्किंग कमेटी की बैठक करने वाली है। इसमें 25 जुलाई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लेने के बाद केंद्र सरकार की ओर से दिए गए आश्वासनों की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

वादों का हिसाब, फिर आंदोलन का फैसला?

- सोमवार को CJP की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक।
- प्राथमिकी और मुआवजे पर सरकार से जवाब का इंतजार।
- संतोषजनक प्रगति नहीं मिली तो फिर शुरू हो सकता है आंदोलन।

केंद्र के आश्वासनों पर उठाए सवाल

CJP ने कहा कि उसने देश के युवाओं से सरकार के वादे पर भरोसा करते हुए आंदोलन वापस लिया था। पार्टी ने कहा कि वह इस भरोसे को कमजोरी समझने की अनुमति नहीं देगी। पार्टी ने छात्रों, युवा नागरिकों, समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार की बैठक के नतीजे के लिए तैयार रहने को कहा है। सोमवार की मीटिंग में स्थिति का आकलन कर CJP की आगे की रणनीति तय की जाएगी। CJP ने कहा कि सरकार के साथ बातचीत करने वाले प्रतिनिधिमंडल ने लिखित आश्वासनों को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देने के लिए उससे औपचारिक संपर्क नहीं किया।

मामले से जुड़ी पांच बड़ी बातें

- आंदोलन से जुड़े सभी मामलों को वापस लेने या रद्द करने का आश्वासन दिया गया था।
- भविष्य में किसी छात्र या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी पर दंडात्मक कार्रवाई न करने की बात कही गई थी।
- परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले नीट-यूजी अभ्यर्थियों के परिवारों को मुआवजा देने का भी आश्वासन था।
- सीजेपी ने छात्रों, युवाओं, समर्थकों और स्वयंसेवकों से सोमवार के फैसले के लिए तैयार रहने को कहा है।
- राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सीजेपी आगे की पूरी रणनीति तय करेगी।

छत्तीसगढ़-स्कूल से लौट रहे 3 बच्चे नदी में बहे, मौत

यूपी के बाराबंकी में सड़क पर नाव चल रहीं, एमपी में 6 महीने पुरानी सड़क बही

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में भी कई जिलों में तेज बारिश हो रही है। यहां बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोंघा नदी के तेज बहाव में बह गए। रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए हैं। यूपी में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है। लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश के सीधी में शनिवार को ₹104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए, तीसरा लापता है। पन्ना में उफनती नदी में एक डंपर बह गया। राजधानी दिल्ली में रविवार को कई इलाकों में जोरदार बारिश हुई। तस्वीर महात्मा गांधी रोड की है। बक्सर में गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इससे तटीय और निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है।

रिपोर्ट- बहलावलपुर में मरकज सुभानअल्लाह के गुंबदकी मरम्मत, नया संगमरमर और प्लास्टर लगा

'ऑपरेशन सिंदूर' में तबाह हुआ जैश का अड्डा मरकज़ फिर से तैयार

रिपोर्ट में दावा किया गया कि मरकज सुभानअल्लाह के क्षतिग्रस्त गुंबद फिर बना दिए गए हैं, नया संगमरमर और प्लास्टर लगाया गया है। नया पेंट भी किया गया है। दीवारों समेत पूरी इमारत की मरम्मत कर की गई है।

मरम्मत पर 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए खर्च

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान सरकार ने जैश को मरम्मत के लिए 25 करोड़ पाकिस्तानी रुपए दिए। मदरसा अल-सबीर और जैश कमांडरों के रहने के लिए इस्तेमाल होने वाले एरिया का भी दोबारा निर्माण भी किया जा रहा है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के बहावलपुर में निशाना बनाए गए जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख ठिकाने मरकज सुभानअल्लाह का दोबारा निर्माण पूरा होने की खबर सामने आई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2025 में भारतीय हमले में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए इस परिसर को करीब 15 महीने में फिर से तैयार किया गया है। सामने आई तस्वीरों में परिसर में

नए निर्माण, प्लास्टर, पेंट और क्षतिग्रस्त गुंबदों को दोबारा बनाए जाने के संकेत मिले हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

भर्ती और ट्रेनिंग के लिए इस्तेमाल होता था बेस

मरकज सुभान अल्लाह भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किलोमीटर दूर है। यहां जैश नए आतंकियों की भर्ती, ट्रेनिंग और ब्रेनवॉश करता था। 18 एकड़ में फैले इस परिसर को उस्मान-ओ-अली कैंपस के नाम से भी जाना जाता है। यहां एक मस्जिद और दूसरी सुविधाएं भी मौजूद थीं। बहावलपुर का यह कैंप लंबे समय से भारत के खिलाफ जैश की गतिविधियों से जुड़ा रहा है। संगठन का नाम 2001 के संसद हमले, 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा आत्मघाती हमले से जुड़ा है।

साड़ी के लिए 1000 मिलेगा, मानदेय भी एक हजार बढ़ाया, योगी के 4 बडे ऐलान

यूपी की रसोइयों को 5 लाख तक मुफ्त इलाज

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में सरकारी स्कूलों में रसोइयों के लिए सीएम योगी ने रविवार को 4 घोषणाएं कीं। पहली- महीने का मानदेय 2 हजार से बढ़ाकर 3 हजार रुपए किया। दूसरी- 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी गई। तीसरी- दुर्घटना होने पर 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता मिलेगी। चौथी- साड़ी के लिए 500 रुपए को बढ़ाकर 1 हजार किया जाएगा। 11 को मंच पर सम्मानित किया। उन्हें बढ़े हुए मानदेय का चेक, कैशलेस हेल्थ कार्ड, सुरक्षा किट दी।

>> (शेष पेज 06 पर)

3.53 लाख रसोइयों को इसका लाभ मिलेगा।

योगी ने कहा- कुछ लोग जर्जर स्कूल भवनों को दिखा रहे हैं। जिन लोगों के इशारे पर ये जर्जर स्कूल दिखाए जा रहे हैं, ये उन्हीं के बनाए हुए हैं। सरकार अब इन जर्जर भवनों को नए भवनों में बदलने का काम कर रही है।

सबसे पहले कैशलेस इलाज के 2 फायदे

- **हर परिवार को 5 लाख तक का मुफ्त इलाज:** कैशलेस योजना के जरिए रसोइयों को हर साल 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। जैसे ही कार्ड बन जाएगा, उसी दिन से रसोइए और उनका परिवार अस्पतालों में इलाज करवा सकेंगे। लिस्टेड अस्पताल में भर्ती होने से लेकर 5 लाख तक का इलाज मुफ्त होगा।
- **कैंसर, दिल की बीमारी का भी इलाज:** इस योजना से जुड़े सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में 1900 से भी ज्यादा बीमारियों के इलाज का पैकेज मिलेगा। इसमें कैंसर, दिल की बीमारी, किडनी की समस्या और बड़ी सर्जरियों जैसे गंभीर इलाज शामिल हैं। इस योजना को साचीज (SACHIS) संस्था चलाएगी। इसमें आयुष्मान भारत वाली ही तय दरें लागू होंगी।

रसोइया सिर्फ पेट नहीं, बच्चों का पोषण तैयार करता है

सीएम ने कहा- रसोई का मतलब सिर्फ पेट भरने के लिए भोजन तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों को पोषण देना भी है। रसोइए देश के बचपन को स्वस्थ बनाने का काम कर रहे हैं। लेकिन पहले उनके स्वास्थ्य की चिंता नहीं की जाती थी।

हमारा भी इम्तिहान आने वाला है, तुम्हें मशीन दबाकर वोट करना है: ब्रजेश पाठक

सम्मान समारोह में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अवधी में बोलते हुए भाजपा को वोट करने की अपील की। कहा- जैसे लड़कों का इम्तिहान आता है और पढ़ाई करने लगते हैं, वैसे ही हम लोगों का भी इम्तिहान आने वाला है। अब इम्तिहान में तुम्हें क्या करना है...तुम्हें मशीन दबानी है वोट वाली। जिस तरह सब्जी खरीदने और मटका खरीदने में ठोक-बजाकर खरीदते हो उसी तरह चुनाव में भी तुलना कर लेना।

फास्ट न्यूज

केंद्र में खाली पद 10 साल में दोगुने

नई दिल्ली। बीते एक दशक में केंद्र सरकार के खाली पद करीब दोगुने हो गए। 2015 में 4.21 लाख पद खाली थे, जो 2024 में बढ़कर 8.24 लाख हो गए। कुल मंजूर पदों में रिक्तियों की हिस्सेदारी 11.5% से बढ़कर 21% हो गई। इस अवधि में केंद्र के विभिन्न विभागों में पदों की कुल मंजूर संख्या में 2.74 लाख का इजाफा हुआ।

मुंबई में 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी

मुंबई। मुंबई के भुलेश्वर में शनिवार रात करीब 10 बजे 22 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। 5 घायल हो गए, जिनमें 5 और 7 साल की दो बच्चियां शामिल हैं। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, प्रतिमा लालबाग से भुलेश्वर लाई जा रही थी। पंडाल से करीब 50-60 मीटर पहले प्रतिमा के पीछे लगा वेल्डिंग सपोर्ट टूट गया। इससे मूर्ति का संतुलन बिगड़ा और वह आगे की तरफ लोगों पर गिर गई। हादसे के बाद प्रतिमा के तीन टुकड़े हो गए।

पति पर हमले से पहले पत्नी ने सीसीटीवी बंद किया

नई दिल्ली। दिल्ली के निहाल विहार में 31 साल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर विनय गुप्ता की मौत मामले में नए खुलासे हुए हैं। जांच में सामने आया कि 21 अगस्त को घटना से पहले विनय की पत्नी रेखा ने घर के अंदर लगा CCTV कैमरा बंद कर दिया था। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद रेखा के भाई और भाभी घर पहुंचे और विनय के साथ मारपीट की।

राहुल पहले महिला आरक्षण लागू होने दें : स्मृति ईरानी

पूरा वंदे मातरम भी गाएं, यह देवी दुर्गा के बारे में है

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा महासचिव स्मृति ईरानी ने रविवार को राहुल गांधी से मांग करते हुए कहा कि देश में पहले महिला आरक्षण लागू होने दें। उन्होंने कहा कि अगर राहुल महिलाओं के समर्थन में हैं तो इसे 33% आरक्षण लागू कराने और पूरे वंदे मातरम के गायन का समर्थन करके साबित करें। स्मृति ने कांग्रेस हेडक्वॉर्टर में पूरा वंदे मातरम गाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम की आखिरी 2 पैरा देवी दुर्गा को समर्पित हैं। गौरतलब है कि

संसद में महिलाओं की मौजूदगी से उसकी गरिमा बढ़ाने वाला 33% आरक्षण विधेयक पहले ही पास हो चुका है। स्मृति का यह बयान राहुल गांधी के पुणे में हुए छात्रों की गूंज इवेंट के बाद आया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- वंदे मातरम गाया जा रहा था, तभी सोनिया पीछे मुड़कर इशारा करती दिखीं। राहुल ने भी इशारे में कुछ पूछा।
- एक स्टाफ सदस्य पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पास पहुंचा। खड़गे ने उसके कान में कुछ कहा, फिर सोनिया ने भी उससे बात की।

तैराकी : लिखा- मेरे लिए यह बच्चों का खेल, स्कूबा डाइविंग पर राहुल गांधी से तुलना हुई थी

रिजिजू ने नदी में तैरने का वीडियो शेयर किया

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश की एक नदी में तैरने का वीडियो X पर पोस्ट किया है। वीडियो अरुणाचल प्रदेश की पहाड़ी नदी का है। उन्होंने लिखा है- अगर आपको तैरना नहीं आता, तो कभी गहरे पानी में न जाएं। नदी में कई लोग डूब चुके हैं। अरुणाचल प्रदेश की नदियां बहुत बड़ी और गहरी हैं। कुछ घंटों बाद किरेन ने एक और पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से अपनी तुलना करने वालों को निशाना बनाते हुए कहा कि तैराकी उनके लिए बच्चों का खेल है।

पोस्ट में लिखा- 'कई लोग कह रहे हैं कि मैं भी राहुल गांधी जैसा कर रहा हूं।

राहुल जी शायद इसके लिए ट्रेनिंग लेते हों, लेकिन मेरी जिंदगी में यह आम बात है।' दरअसल, जून 2026 में राहुल गांधी का निकोबार में स्कूबा डाइविंग का वीडियो सामने आया था। इसके बाद किरेन रिजिजू ने स्वराजद्वीप में स्कूबा डाइविंग की थी। तब से यह कहा जा रहा था कि रिजिजू ने राहुल की देखा-देखी स्कूबा डाइविंग की थी। इसी के जवाब में रिजिजू ने नदी में तैराकी का वीडियो बनाया। केंद्रीय मंत्री रिजिजू अरुणाचल प्रदेश के वेस्ट कामेंग जिले के नाखू में जन्मे हैं।

जून में सामने आया था राहुल की स्कूबा डाइविंग का वीडियो

राहुल गांधी ने 5 जून को 16 मिनट का एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें उन्होंने बताया कि वे भारत के सबसे दक्षिणी छोर इंदिरा पॉइंट पर गए। दुनिया की सबसे शानदार कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) के बीच गोता लगाया था। हालांकि राहुल उस समय सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का विरोध करने के लिए गए थे।

15 दिन बाद रिजिजू ने स्वराज द्वीप पर स्कूबा डाइविंग की

किरेन रिजिजू अंडमान में एक इवेंट में शामिल हुए, जहां उन्होंने स्कूबा डाइविंग की। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा था- मैंने 'टेम्पल गार्डन' में डीप-सी स्कूबा डाइविंग की। यहां की अद्भुत समुद्री जिंदगी को सुरक्षित रखा गया है। इन द्वीपों में प्रकृति-आधारित और एडवेंचर टूरिज्म की संभावनाएं हैं।

महाराष्ट्र पहाड़ हादसे से पहले मां ने किया था पोस्ट

कहा- रिश्ता ऐसा हो तो तोड़ देना चाहिए, दावा- आईफोन के लिए पहाड़ी से कूदा था बेटा

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

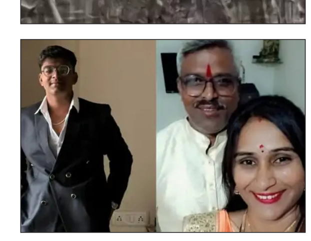

छत्रपति संभाजीनगर। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार को करीब 250 फीट गहरी खाई में गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में मुरलीधर चांदगुडे (48 साल) संगीता चांदगुडे (42 साल) और इनका बेटा कुणाल चांदगुडे (18 साल) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, बेटे ने iPhone तो खरीद लिया था, लेकिन वह इसकी EMI नहीं चुका पा रहा था। EMI चुकाने के लिए वह परिवार से पैसे मांग रहा था। इसे लेकर उसकी अपने पिता के साथ कहासुनी हो गई थी। यहीं से इस दर्दनाक घटना की शुरुआत हुई। इसी के बाद कुणाल गुस्से में घर से निकल गया और खवड्या पहाड़ पर चढ़ गया था। इस हादसे से महज एक दिन पहले संगीता ने अपने YouTube चैनल पर रिश्तों और प्यार की अहमियत को लेकर एक वीडियो पोस्ट किया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

कांवड़ियों की भारी भीड़ देखकर जापानी दल ने योगी सरकार के क्राउड मैनेजमेंट को सराहा

सावन के पवित्र मास में बाबा विश्वनाथ का आशीर्वाद लेने पहुंचे जापानी दल के सदस्य काशी में कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखकर अभिभूत नजर आए। उन्होंने योगी सरकार की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए की गई व्यवस्थाओं, विशेषकर क्राउड मैनेजमेंट की भरपूर सराहना की। जापानी मेहमानों ने भव्य और दिव्य बाबा विश्वनाथ धाम की आध्यात्मिक आभा को भी निहारा। प्रतिनिधिमंडल ने काशी में आध्यात्मिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को करीब से देखा और श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

'ग्रीन हाइड्रोजन समेत कई क्षेत्रों में काम करेंगे यूपी-यामानाशी'

यामानाशी के गवर्नर ने जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

प्रशंसा

तमसा संकेत, संवाददाता

वाराणसी। यामानाशी प्रीफेक्चर के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने कहा कि उत्तर प्रदेश, यामानाशी प्रांत और जापान के बीच संबंधों को लंबे समय तक और अधिक मजबूत बनाया जाएगा। हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना चाहते हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण पहल ग्रीन हाइड्रोजन सिस्टम के माध्यम से उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रांत के विकास को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही हमारी इच्छा ऊर्जा सुरक्षा के माध्यम से विश्व शांति की स्थापना में भी योगदान देने की है। यामानाशी गवर्नर रविवार को जापानी प्रतिनिधिमंडल के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के उपरांत मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां आकर आप सभी की ईश्वर के प्रति श्रद्धा और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से महसूस हुई। मैंने भी यहां ईश्वर से विश्व शांति के लिए प्रार्थना की है। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को भगवान बुद्ध की उपदेश-स्थली सारनाथ का भ्रमण किया। इसके बाद शाम को नमो घाट पर गंगा आरती में शामिल होकर जापानी मेहमानों ने काशी की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत की अनुभूति की।

जापानी मेहमानों ने भव्य और दिव्य बाबा विश्वनाथ धाम की आध्यात्मिक आभा को भी निहारा

मेहमानों का मंदिर पहुंचने पर रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर किया गया स्वागत

बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन किए और उनका आशीर्वाद लिया

कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में जापानी प्रतिनिधिमंडल के करीब 15 प्रमुख सदस्यों ने श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन किए और उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर न्यास के एसडीएम शंभू शरण ने बताया कि जापानी मेहमानों का मंदिर पहुंचने पर रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया। मंदिर में जापानी मेहमानों को देखकर श्रद्धालुओं ने "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ उनका स्वागत किया। जापानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भी श्रद्धालुओं के साथ "हर-हर महादेव" का जयघोष किया। इस दौरान मंदिर परिसर में भारत-जापान के सांस्कृतिक संबंधों में आत्मीयता की सुंदर झलक देखने को मिली।

राजधानी में हाईकोर्ट के निजी सचिव के घर चोरी

9 लाख के जेवर और कैश ले गए चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट में हाईकोर्ट के निजी सचिव के बंद मकान में लाखों की चोरी हो गई। चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और अलमारी से 1 लाख रुपए नकद और करीब 9 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर ले उड़े। परिवार 19 अगस्त को पटना गया था, इसी दौरान चोरों ने वारदात की। पड़ोसी की सूचना पर पुलिस पहुंची। घर के सामने लगे सीसीटीवी में दो संदिग्ध चोर भी दिखाई दिए।

माधव ग्रीस लोलाई निवासी गौतम कुमार सिन्हा हाईकोर्ट में निजी सचिव हैं। उन्होंने बताया कि पटना में उनके भतीजे यश वर्मा की तबीयत खराब है और वह अस्पताल में भर्ती हैं। इसी वजह से 19 अगस्त की सुबह करीब 3:30 बजे वह पत्नी नीतू और दो बच्चों के साथ ओला बुक कर स्टेशन के लिए निकले थे।

21 अगस्त को पड़ोसी सुभाष की पत्नी ने फोन कर बताया कि उनके घर का मेन गेट खुला हुआ है। गौतम ने चौकी प्रभारी मनोज कुमार को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। शनिवार सुबह परिवार से लौटने पर गौतम ने घर की जांच की तो चोरी का पता चला। उनके मुताबिक, चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़ने के बाद रसोई की रोशनदान वाली खिड़की तोड़ी और अंदर घुसे। इसके बाद कमरे की अलमारी का लॉक तोड़कर नकदी और जेवर चोरी कर लिए।

फास्ट न्यूज

गुजरात में नकली दवा पकड़ी गई, लखनऊ का नाम आया

लखनऊ। गुजरात के खाद्य एवं औषधि विभाग ने निकार्डिया (ब्लड प्रेशर) की 590 टैबलेट जब्त की हैं। निकार्डिया रिटार्ड 20, सिलाकार 5, सिलाकार 10, सिलाकार टीएम 50 और निकार्डिया रिटार्ड 10 समेत कई दवाओं के नमूने लिए गए हैं। साथ ही करीब 1.70 लाख रुपए कीमत की संदिग्ध दवाओं का स्टॉक प्रतिबंधित किया गया है।

लखनऊ में ज्ञान प्रसार संस्थान का 23वां वार्षिक समारोह

लखनऊ। लखनऊ में 23 अगस्त को ज्ञान प्रसार संस्थान का 23वां वार्षिक समारोह श्री जी.बी. सिंह फाउंडेशन, विवेक खंड में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि श्री मृत्युंजय प्रसाद गुप्त, संपादक, विश्व विधायक एवं संसद से सड़क तक, ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए संस्थान के शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्यों की सराहना की।

अध्यक्ष श्रीमती नीरजा द्विवेदी ने बताया कि 2003 में 15–20 वंचित बच्चों से प्रारम्भ संस्थान आज प्रतिदिन 100 से अधिक बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे रहा है और अब तक हजारों बच्चे लाभान्वित हुए हैं।

'उत्तर प्रदेश में स्कूल भी हो रहे चोरी'

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि जौनपुर के 5 प्राथमिक विद्यालय सिर्फ कागजों पर चल रहे हैं। उनमें ढालगर टोला प्राथमिक विद्यालय, मिश्रीपुर कन्या प्राथमिक विद्यालय, कंपोजिट गरद-नअजानी प्राथमिक विद्यालय, उर्दू बाजार प्राथमिक विद्यालय और बाग हाशिम विद्यालय शामिल हैं।

दिव्या की हत्या करने के बाद ड्राइवर को पिस्टल सटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

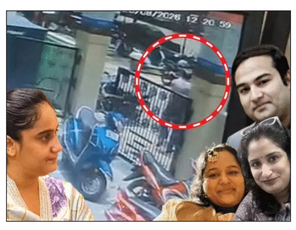

लखनऊ। लखनऊ में ICICI बैंक रिलेशनशिप मैनेजर दिव्या मिश्रा हत्याकांड की जांच में पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं। पूछताछ में सामने आया है कि वारदात को अंजाम देने से पहले SBI फील्ड ऑफिसर पति मानस बाजपेयी ने ऑटो ड्राइवर को पूरे दिन के लिए हायर किया था।

हालांकि, ऑटो ड्राइवरकी हत्या की साजिश में कोई भूमिका नहीं मिली है। पुलिस अब मानस के लॉक आईफोन, कॉल डिटेल, लोकेशन और बरामद तीन असलहों के जरिए हत्या से पहले की पूरी प्लानिंग की कड़ियां जोड़ रही है।

पुलिस के अनुसार, मानस के घर के सामने ऑटो स्टैंड है। मानस कार नहीं चला पता था। इस वजह से ऑटो से ही आता-जाता था। ऑटो स्टैंड के कई ड्राइवर उसके परिचित हो गए थे। पत्नी दिव्या की हत्या वाले दिन उसने उन्हीं में एक ऑटो ड्राइवर प्रमोद से बात की। पूरे दिन के लिए उसका ऑटो बुक किया। ऑटो में सवार होने के बाद उसने दोनों तरफ पर्दा डलवा दिया। इसके बाद दिव्या को ICICI बैंक के बाहर पहुंचा। गेट के पास दिव्या का इंतजार करता रहा। दिव्या को बैंक के पास देखते ही पास बुलाया। मारपीट करके उसे गोली मार दी।

लखनऊ में एसबीआई फील्ड ऑफिसर ने पूरे दिन के लिए बुक किया था ऑटो, पर्दा डलवाकर निकला था

केजीएमयू में इंटर्न डॉक्टरों का दूसरे दिन प्रदर्शन, 8 भूख हड़ताल पर बैठे

'12 हजार नहीं, 30 हजार चाहिए स्टाइपेंड'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के KGMU में इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर प्रदर्शन रविवार को दूसरे दिन भी हुआ। बड़ी संख्या में इंटर्न डॉक्टर गेट नंबर-1 के सामने एकजुट हुए और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने स्टाइपेंड 12 हजार रुपये से बढ़ाकर 30 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग की। डॉक्टरों ने "वी वांट जस्टिस" और "हमारी मांगें पूरी करो" के नारे लगाए। 8 डॉक्टर भूख हड़ताल पर बैठ गए। शाम करीब 6 बजे प्रोफेसर डॉ. के.के. सिंह के आश्वासन के बाद आंदोलन को 15 दिनों के लिए स्थगित कर दिया। इससे पहले शनिवार को भी

KGMU में MBBS और BDS इंटर्न डॉक्टरों ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन में KGMU के अलावा लोहिया संस्थान, गोरखपुर, मेरठ समेत प्रदेश के कई मेडिकल कॉलेजों के इंटर्न डॉक्टर शामिल हुए थे। बड़ी संख्या में डॉक्टरों के जुटने से KGMU परिसर में काफी देर तक माहौल गर्म रहा था। KGMU के मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठे इंटर्न डॉक्टरों ने जमकर की नारेबाजी। प्रदर्शन में KGMU के मेधावी इंटर्न डॉक्टर दीपित शर्मा भी शामिल रहे। दीपित शर्मा ने KGMU के दीक्षांत समारोह में चांसलर और हैविट समेत 19 पदक हासिल किए थे। इसके बावजूद वह अन्य इंटर्न डॉक्टरों के साथ स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए।

12 हजार रुपये स्टाइपेंड में काम करना मुश्किल

इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि MBBS और BDS की पढ़ाई पूरी करने के बाद इंटर्नशिप के दौरान उन्हें मरीजों की देखभाल की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। OPD से लेकर वार्ड और इमरजेंसी तक लंबे समय तक ड्यूटी करनी पड़ती है। इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला स्टाइपेंड दूसरे राज्यों और कई संस्थानों की तुलना में काफी कम है। डॉक्टरों का कहना है कि मौजूदा 12 हजार रुपये मासिक स्टाइपेंड में बढ़ती महंगाई के बीच काम करना मुश्किल है। इसलिए सरकार को स्टाइपेंड में बढ़ोतरी कर इसे 30 हजार रुपये प्रतिमाह करना चाहिए।

डॉ. के. के. सिंह बोले- 15 दिनों के भीतर कैबिनेट में रखा जाएगा मुद्दा

प्रोफेसर डॉ. के.के. सिंह के अनुसार, उन्होंने यूपी के महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा (DGME) से इंटर्न्स के स्टाइपेंड वृद्धि के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से भी इस विषय में बात की है। अधिकारियों की ओर से आश्वासन दिया गया है कि यूपी एमबीबीएस इंटर्न्स के स्टाइपेंड वृद्धि का मुद्दा आगामी 15 दिनों के भीतर कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा। इसके लिए 7 सितंबर 2026 तक की समयसीमा निर्धारित की गई है।

डॉ. यादव ने भारत में ईंटों से निर्मित स्तूपों की संरचना, बनावट, आकार एवं स्थापत्य विशेषताओं पर प्रकाश डाला

परंपरा एवं संरक्षण विषय पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा आयोजित पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के चतुर्थ दिवस पर डॉ. राजेंद्र यादव, अधीक्षण पुरातत्वविद, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, लखनऊ सर्किल, लखनऊ द्वारा Brick Stupa of India and its Conservation Issues with Special Reference to Stupa at Nalasopara, Maharashtra विषय पर सचित्र एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

अपने व्याख्यान में डॉ. यादव ने भारत में ईंटों से निर्मित स्तूपों की संरचना, बनावट, आकार एवं स्थापत्य विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय बौद्ध स्थापत्य के प्रमुख स्वरूपों-स्तूप, चैत्यगृह एवं स्तंभों-की चर्चा करते हुए उनके धार्मिक, सांस्कृतिक एवं स्थापत्यगत महत्व को रेखांकित किया। साथ ही स्तूपों की विभिन्न श्रेणियों, विशेष रूप से शारीरिक स्तूपों, जिनका निर्माण भगवान बुद्ध के शारीरिक अवशेषों के ऊपर किया जाता था, सहित अन्य प्रकार के स्तूपों की अवधारणा एवं महत्व पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, श्रीमती रेनू द्विवेदी ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र यादव को पौधा एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। श्रीमती द्विवेदी ने सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का अभिवादन करते हुए पाठ्यक्रम में उनकी सक्रिय सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सचित्र प्रस्तुतीकरण एवं विषय की व्यापक व्याख्या के माध्यम से यह व्याख्यान प्रतिभागियों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सिद्ध हुआ तथा भारत की समृद्ध पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण रहा।

भारत में स्तूप स्थापत्य के क्रमिक विकास की चर्चा

डॉ. यादव ने भारत में स्तूप स्थापत्य के क्रमिक विकास की चर्चा करते हुए बताया कि भारतीय स्तूप परंपरा पर मौर्यकालीन स्थापत्य के साथ-साथ इंडो-ग्रीक, इंडो-सिथियन एवं कुषाणकालीन कला एवं स्थापत्य परंपराओं का भी प्रभाव परिलक्षित होता है। विभिन्न सांस्कृतिक एवं कलात्मक परंपराओं के समन्वय ने भारतीय बौद्ध स्थापत्य को समृद्ध एवं विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया। उन्होंने महाराष्ट्र स्थित नालासोपारा के स्तूप के विशेष संदर्भ में ईंट निर्मित प्राचीन स्मारकों के संरक्षण से जुड़ी चुनौतियों, संरचनात्मक समस्याओं तथा वैज्ञानिक संरक्षण की आवश्यकता पर भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

रोड एक्सीडेंट में 10वीं के छात्र की हुई मौत

डेढ़ साल पहले बड़े भाई ने भी एक्सीडेंट में जान गंवाई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार थानाक्षेत्र में रोड एक्सीडेंट में 10वीं के छात्र की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ इकाना स्टेडियम से मैच देखकर लौट रहा था। तभी बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। इस दुर्घटना में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। जहां एक की मौत हो गई, जबकि दो का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। जिस छात्र की मौत हुई, उसके बड़े भाई की डेढ़ साल पहले एक्सीडेंट में ही मौत हुई थी।

मूलरूप से लखीमपुर खीरी के रहने वाले जयकरन लखनऊ के सरोज विहार मुलायमनगर में परिवार के साथ रहकर कारपेंटर का काम करते हैं। जयकरन ने बताया

कि उनका बेटा हर्ष (16) प्राइवेट स्कूल में 10वीं की छात्र था। 22 अगस्त को मोहल्ले में रहने वाले दोस्त आदर्श और गोविंद के साथ इकाना स्टेडियम मैच देखने गया था। वहां से लौटते समय रात करीब 10:30 बजे उससे फोन पर बात हुई। देर रात बाहर जाने और बाइक ले जाने को लेकर डांटा और जल्द घर आने की बात कही। इसके बाद करीब 45 मिनट बाद पुलिस से हादसे की सूचना मिली। पुलिस ने बताया कि जी-20 रोड पर तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई।

मांग : सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, बीएलए को सूची और मोबाइल नंबर उपलब्ध कराने की मांग

मतदाता सूची सत्यापन में बीएलए को शामिल करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के पुनरीक्षण और सत्यापन में बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) को शामिल करने की मांग की है। सपा ने कहा कि मतदाता सूची को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखने के लिए बीएलओ और बीएलए के बीच समन्वय जरूरी है।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश की 403 विधानसभाओं में कुल 1 लाख 77 हजार 516 मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) नियुक्त हैं। बीएलओ को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित आवेदनों की जांच के साथ-साथ मृतक, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं का सत्यापन करने की जिम्मेदारी दी गई है। सपा ने अपने ज्ञापन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 'मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल्स, मार्च 2023, डॉक्यूमेंट-10, एडिशन-2' का हवाला दिया है। पार्टी के मुताबिक, इसके पृष्ठ संख्या

चुनाव आयोग के मैनुअल का हवाला

सपा ने अपने ज्ञापन में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी 'मैनुअल ऑन इलेक्टोरल रोल्स, मार्च 2023, डॉक्यूमेंट-10, एडिशन-2' का हवाला दिया है। पार्टी के मुताबिक, इसके पृष्ठ संख्या 34 पर अध्याय-5 के पैरा 5.3.2-(P) में बूथ लेवल एजेंट के साथ बीएलओ के समन्वय का प्रावधान किया गया है।

फार्म-6, 7 और 8 की जांच में पारदर्शिता की मांग

पार्टी के अनुसार, मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फार्म-6, नाम हटाने के लिए फार्म-7 और नाम, उम्र, पता अथवा विधानसभा क्षेत्र में बदलाव के लिए, फार्म-8 जमा किए जा रहे हैं।

सपा ने कहा कि बड़ी संख्या में इन फार्मों के जमा होने के कारण प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष जांच जरूरी है। इसके अलावा मृतक, स्थानांतरित और डुप्लीकेट मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन भी पारदर्शी तरीके से कराया जाना चाहिए। ज्ञापन में बूथ लेवल एजेंटों को बीएलओ की सूची नाम और मोबाइल नंबर सहित उपलब्ध कराने की मांग की गई है। सपा का कहना है कि इससे बीएलओ और बीएलए के बीच आसानी से समन्वय स्थापित हो सकेगा और मतदाता सूची के संबंध में आवश्यक जानकारी साझा की जा सकेगी।

सपा ने मांग की है कि यह पूरी प्रक्रिया बूथ लेवल एजेंट के साथ समन्वय बनाकर की जाए, ताकि मतदाता सूची में किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना को कम किया जा सके।

34 पर अध्याय-5 के पैरा 5.3.2-(P) में बूथ लेवल एजेंट के साथ बीएलओ के समन्वय का प्रावधान किया गया है। ज्ञापन में कहा गया है कि मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 को हुआ था। इसके बाद 11 अप्रैल से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के बूथों पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन से संबंधित आवेदन जमा हो रहे हैं।

महंगाई के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन

पुलिस घसीटते हुए टांग कर ले गई, महिलाएं बोलीं- सरकार ने किचन का बजट बिगाड़ दिया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को सपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। महंगाई के खिलाफ हजरतगंज चौराहे पर पहुंच कर हंगामा किया। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। चीनी के दाम में हुई बढ़ोतरी पर नाराजगी जताई। प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने कहा कि सरकार ने किचन का बजट बिगाड़ दिया है।

लगभग 15 मिनट तक प्रदर्शनकारी हजरतगंज चौराहे पर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। इस दौरान उनकी पुलिस से नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस उन्हें घसीटकर और टांगकर गाड़ी के पास ले गई। उसमें बैठाकर उन्हें ईको गार्डन भेजा। महिला प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अभद्रता करने का आरोप लगाया।

प्रदर्शन में शामिल मंजू ने कहा की आमदनी तो बढ़ नहीं रही है, बस महंगाई बढ़ती जा रही है। समझ में नहीं आता है कि लिमिटेड आमदनी में घर कैसे चलाएं? हर महीने किसी न किसी सामान के दाम बढ़ जाते हैं। लिमिटेड इनकम में बच्चों का दवाई-इलाज के साथ पढ़ाना संभव नहीं हो पा रहा है। आज हम अपने बच्चों के साथ प्रदर्शन में आए हैं। महंगाई के साथ अगर आमदनी भी बढ़ती तो हम मैनेज कर लेते हैं, मगर यहां सिर्फ महंगाई की मार है आमदनी रुकी हुई।

रिंकी यादव बोलीं- रक्षाबंधन पर महंगी हो जाएगी मिठाई

सपा महिला सभा की प्रदेश सचिव रिंकी यादव ने कहा कि हमारे किचन का बजट बिगड़ गया है। दाल, तेल, चावल, आटा सब कुछ पहले से महंगा था। अब सरकार ने चीनी के दाम बढ़ा दिए है। आने वाले दिनों में रक्षाबंधन का त्योहार है। चीनी महंगी होने की वजह से मिठाइयां भी महंगी हो जाएंगी। यह सरकार नहीं चाहती है कि गरीब और कमजोर परिवार त्योहारों पर खुशियां मनाए। जैसे ही कोई भी त्योहार आने वाला होता है, सरकार आम आदमी को मुसीबत में डाल देती है।

आरओबी निर्माण के लिए ट्रैफिक मरहला चौराहे से डायवर्ट, रेलवे ने ब्लॉक दिया

सरैयां क्रॉसिंग 36 घंटे बंद रहेगी

सूचना

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के काम के चलते बैराज मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग को 36 घंटे के लिए पूरी तरह बंद रखा जाएगा। रेलवे की ओर से जारी सूचना के मुताबिक 24 अगस्त सुबह 8 बजे से 25 अगस्त रात 8 बजे तक क्रॉसिंग पर वाहनों के साथ राहगीरों की आवाजाही भी प्रतिबंधित रहेगी। इस दौरान रेलवे ट्रैक के ऊपर आरओबी के लिए गर्डर लॉन्चिंग का महत्वपूर्ण काम कराया जाएगा। निर्माण कार्य के चलते सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे क्रॉसिंग से किसी भी तरह के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। उत्तर रेलवे की ओर से आरओबी के रेलवे हिस्से में

गर्डर लॉन्चिंग का कार्य कराया जाना है। निर्माण के दौरान नॉन-ट्रैक स्पैन के कंपोजिट गर्डरों को स्थापित किया जाएगा। इसके लिए भारी मशीनरी और क्रेन का इस्तेमाल किया जाएगा। रेलवे ट्रैक के ऊपर गर्डर स्थापित करने के दौरान कर्मचारियों और राहगीरों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होने के कारण क्रॉसिंग को पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया गया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। क्रॉसिंग बंद रहने के दौरान यातायात को नियंत्रित करने के लिए मरहला चौराहे के पास से डायवर्जन लागू किया जाएगा। बैराज मार्ग की ओर जाने और वहां से आने वाले

बैरिकेडिंग के साथ पुलिसकर्मियों की तैनाती

क्रॉसिंग बंद कराने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए मौके पर बैरिकेडिंग की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस बल की भी तैनाती रहेगी। डायवर्जन वाले रास्तों पर भी पुलिसकर्मी यातायात को नियंत्रित करेंगे। उत्तर रेलवे के उप मुख्य अभियंता निर्माण-चतुर्थ, लखनऊ की ओर से जिलाधिकारी को पत्र भेजकर क्रॉसिंग बंद कराने और आवश्यक पुलिस बल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। रेलवे और प्रशासन के बीच समन्वय से निर्माण कार्य के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी की गई है। अधिकारियों के अनुसार रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण पूरा होने के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। आरओबी बनने से रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेनों के गुजरने के दौरान रुकने वाले यातायात को भी वैकल्पिक व्यवस्था मिल सकेगी।

वाहनों को 39 नंबर रेलवे क्रॉसिंग सहजनी की ओर से गुजारा जाएगा। डायवर्जन व्यवस्था का उद्देश्य सरैयां रेलवे क्रॉसिंग के आसपास वाहनों का दबाव कम करना है। प्रशासन और यातायात पुलिस की ओर से लोगों को वैकल्पिक मार्ग से आवागमन करने की सलाह दी गई है, ताकि निर्माण कार्य के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो।

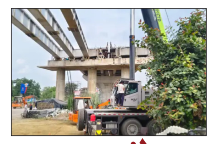

36 घंटे तक क्रॉसिंग की ओर जाने से बचें

रेलवे और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि 24 अगस्त सुबह 8 बजे से 25 अगस्त रात 8 बजे तक सरैयां रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने से बचें। इस अवधि में बैराज मार्ग पर आवागमन करने वाले लोग निर्धारित डायवर्जन मार्ग का ही इस्तेमाल करें।

वैगन-आर में जिंदा जला युवक, सीट चिता बनी

शॉर्ट सर्किट से गेट लॉक, ड्राइविंग सीट पर चिपका रह गया

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में कार में एक युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई। रविवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे चलती वैगन-आर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। उसके चारों दरवाजे लॉक हो गए। ड्राइविंग सीट पर बैठे 50 साल के राजनारायण वर्मा कार के अंदर ही फंस गए। उन्होंने दरवाजा खोलकर बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। आग की ऊंची लपटें देखकर आसपास के गांववाले मौके पर पहुंचे, लेकिन किसी की कार के पास जाने की हिम्मत नहीं हुई। गांववालों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को

राजनारायण वर्मा, मृतक

सूचना दी। जब तक टीम पहुंचती, गांववालों ने पानी डालकर किसी तरह आग बुझाई। कार का गेट तोड़कर खोला, तो शव बुरी तरह जलकर सीट से चिपका मिला। शव को जैसे-तैसे निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। पुलिस के मुताबिक, कार पेट्रोल वैरिएंट थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, शॉर्ट सर्किट से आग लगी। कार को जब्त कर लिया है।

हादसा बाराबंकी-अयोध्या रोड पर जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर सफदरगंज थाना क्षेत्र में हुआ। राजनारायण वर्मा बाराबंकी रजिस्ट्री कार्यालय में स्टांप वेंडर थे। मूल रूप से बाराबंकी के बरियारपुर गांव के रहने वाले थे। उनका एक मकान शहर के विजयनगर मोहल्ले में भी है। जहां वह अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा आंध्र प्रदेश में रहकर बीटेक की पढ़ाई कर रहा है। राजनारायण के पिता मेवा लाल वर्मा और मां बबिता वर्मा गांव में रहते हैं। उनके भाई जंग बहादुर वर्मा शहर में रहकर प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं।

फास्ट न्यूज

हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

बाराबंकी। बाराबंकी के सिरौलीगौसपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम बिबियापुर में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। थाना टिकैतन-गर क्षेत्र के गांव में उच्च न्यायालय इलाहाबाद की लखनऊ खंडपीठ के आदेश के अनुपालन में रास्ते की भूमि पर किए गए पक्के निर्माण को JCB की मदद से हटाया गया।

किसान खेत की झोपड़ी में मिला बेहोश

हरदोई। हरदोई में मझिला थाना क्षेत्र के देवरास गांव में 46 वर्षीय किसान संजय संदिग्ध परिस्थितियों में खेत में बनी अपनी झोपड़ी में बेहोश पाए गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। डॉक्टर ने जहर की आशंका जताई। पुलिस ने रविवार की दोपहर 3 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया है। किसान संजय खेत की रखवाली करने के लिए खेत पर ही सोते थे। शनिवार की दोपहर तक जब वह घर नहीं लौटे, तो उनकी पत्नी मंजू उन्हें खाना देने खेत पर गईं। झोपड़ी में पहुंचने पर उन्होंने संजय को चारपाई पर बेसुध पड़ा देखा।

चोकर कारोबारी ने फांसी लगाकर जान दी

हरदोई। हरदोई में शनिवार देर रात करीब 11:30 बजे 21 साल के चोकर व्यवसायी प्रवीण कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय वह नए मकान में अकेला था। उसके पिता गांव में आयोजित आल्हा गायन सुनने गए थे। देर रात लौटने पर पिता ने बेटे को फंदे पर लटका देखा।
रविवार दोपहर करीब 2 बजे शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मामला मल्लावां कोतवाली क्षेत्र के दारापुर गांव का है।

अचानक मंच से उतरे, कार में बैठकर रवाना, आयोजक बोले- दूसरी जगह बज रहा था

यूपी विधानसभा अध्यक्ष महाना राष्ट्रगान छोड़कर चले गए

* गार्ड ऑफ ऑनर के दौरान सतीश महाना ने सलामी दी और मंच से उतरकर चल पड़े।
* समर्थकों ने महाना के पैर छुए। इसके बाद महाना कार में बैठे और वहां से रवाना हो गए।

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का राष्ट्रगान बीच में छोड़कर जाने का वीडियो सामने आया है। उन्नाव में शनिवार को कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने प्रोटोकॉल के तहत महाना को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके तुरंत बाद राष्ट्रगान शुरू हुआ। सतीश महाना

ने चलते राष्ट्रगान में ही तिरंगे को सलामी दी, हाथ जोड़ा और मंच के पीछे की ओर उतर गए। कुछ दूरी पर खड़े समर्थक भी उनके पास पहुंचे और पैर छूने लगे। इसके बाद महाना कार में बैठे और वहां से रवाना हो गए। मामला पूरन नगर के एक स्कूल का है। जहां महाना प्रधानाचार्य परिषद के अधिवेशन और शैक्षिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। वीडियो रविवार को सामने आया।

कार्यक्रम आयोजकों ने संवाददाता से कहा- जिस जगह सतीश महाना मौजूद थे, राष्ट्रगान वहां से काफी दूर बज रहा था। सतीश महाना शनिवार शाम करीब 4 बजे एसवीएम इंटर कॉलेज के आस्था सभागार पहुंचे। वे करीब 40 मिनट तक कार्यक्रम में रहे। इस दौरान 'शिक्षा प्रभा' किताब का विमोचन भी किया। महाना ने प्रधानाचार्यों और शिक्षाविदों से ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील की। कहा कि शिक्षा संस्थान देश के विकास की नींव हैं। अगर संस्थान मजबूत होंगे, तो देश मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए दी गई राशि भगवान के चरणों में समर्पित है। इसे वापस मांगने की बात आस्थावानों को दुख पहुंचाने वाली है। उन्नाव कांग्रेस कमेटी के नेता दिनेश शुक्ला ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष ने प्रोटोकॉल के तहत गार्ड ऑफ ऑनर लिया और राष्ट्रगान के दौरान वहां से चले गए।

मानसून सत्र में पद छोड़ने की चेतावनी दी थी

5 अगस्त को विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सतीश महाना ने पद छोड़ने की चेतावनी दी थी। सपा के हंगामे पर उन्होंने कहा था- मेरे मन में पीड़ा है। मुझे पहली बार लगा कि या तो हमारे प्रयास में कहीं कमी रह गई या फिर डॉ. अंबेडकर की बात सही है कि कमी संविधान में नहीं, व्यक्तियों में होती है। उन्होंने कहा था- मेरी लंबी राजनीतिक पारी अब अंतिम चरण में है। मुझे गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि पिछले साढ़े चार साल में जो किया, वह उचित था या अनुचित। मैं इस कुर्सी के योग्य हूं या नहीं, इस पर भी विचार करूंगा और जल्द निर्णय लूंगा।

गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 46 सेंटीमीटर ऊपर

खतरे के निशान से सिर्फ 54 सेंटीमीटर नीचे, तटवर्ती इलाकों में बढ़ी चिंता

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से शुक्लागंज और तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ता जा रहा है। रविवार शाम 4 बजे गंगा का जलस्तर 112.460 मीटर दर्ज किया गया। यह चेतावनी बिंदु 112 मीटर से 46 सेंटीमीटर ऊपर है। वहीं, खतरे का निशान 113 मीटर है, जिससे जलस्तर अब सिर्फ 54 सेंटीमीटर नीचे रह गया है। पिछले कुछ दिनों से गंगा के जलस्तर में उतार-चढ़ाव जारी था, लेकिन अब लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पानी बढ़ने से शुक्लागंज के साथ गंगा किनारे बसे गांवों में भी लोगों की चिंता बढ़ गई है। निचले इलाकों में पानी पहुंचने की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोग सतर्क हैं। गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए नदी किनारे रहने वाले लोग लगातार पानी की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। लोग घरों के सामान और परिवार की

सुरक्षा को लेकर भी सतर्कता बरत रहे हैं। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने भी निगरानी बढ़ा दी है। प्रशासनिक अधिकारी गंगा के जलस्तर पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। संबंधित विभागों को संभावित स्थिति से निपटने के लिए अलर्ट रहने को कहा गया है। तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को नदी के पास नहीं जाने और पानी बढ़ने की स्थिति में सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की सलाह दी जा रही है। फिलहाल गंगा का जलस्तर चेतावनी बिंदु से 46 सेंटीमीटर ऊपर है, जबकि खतरे के निशान से 54 सेंटीमीटर नीचे है।

6148 रसोइयों को बढ़ा मानदेय

उन्नाव में पीएम पोषण योजना के तहत सम्मान समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पीएम पोषण योजना के तहत रविवार दोपहर विकास भवन सभागार में रसोइयों का सम्मान समारोह और कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने की, जबकि सदर विधायक पंकज गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। लखनऊ में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 11 रसोइयों को सम्मानित किया। इनमें उन्नाव के सफीपुर विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय अटवा मोहाल ओसिया की रसोइया खिलाना भी शामिल थीं। वहीं, उन्नाव में

जिलाधिकारी घनश्याम मीना और जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने पांच रसोइयों को प्रतीकात्मक रूप से कैशलेस चिकित्सा कार्ड और बढ़े हुए मानदेय की राशि का चेक देकर सम्मानित किया। सरकार ने बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का मानदेय 2,000 रुपये से बढ़ाकर 3,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। इसके साथ ही रसोइयों को 5 लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी।

पशु चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 4 गिरफ्तार

चोरी की भैंस बेचकर मिले 21,500 रुपए बरामद, वारदात में इस्तेमाल महिंद्रा मैक्सो गाड़ी भी पकड़ी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। माधौगंज पुलिस ने पशु चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पशु चोरी में इस्तेमाल की गई महिंद्रा मैक्सो गाड़ी बरामद की है। इसके साथ ही चोरी की गई भैंस को बेचकर मिले 21,500 रुपये नकद भी पुलिस ने बरामद किए हैं। पुलिस ने रविवार दोपहर 1:56 बजे प्रेस नोट जारी कर पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। मामला 21 अगस्त 2026 का है। मुनौरापुर, थाना मल्लावां निवासी ब्रजभान सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह ने माधौगंज थाने में लिखित तहरीर देकर भैंस चोरी होने की शिकायत की थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक भूरा नाम के व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी भैंस चोरी कर ली थी। शिकायत मिलने के बाद माधौगंज पुलिस ने संपत्ति चोरी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। इसके बाद पुलिस टीम ने मामले की जांच शुरू करते हुए चोरी की घटना से जुड़े लोगों और संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के साथ-साथ चोरी किए गए पशु के संबंध में भी सुराग जुटाए। पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाई तो चार संदिग्धों के नाम सामने आए। इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकित पुत्र राम बक्श, भूरा उर्फ गौरव पुत्र प्रीतम, मोहम्मद कैफ उर्फ गोलू पुत्र इदरीश और लईक उर्फ अतीक अली पुत्र सफीक अली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक अंकित, भूरा उर्फ गौरव और मोहम्मद कैफ उर्फ गोलू मैदानपुरा/गंगा धाम, थाना बिलग्राम क्षेत्र के रहने वाले हैं। वहीं लईक उर्फ अतीक अली हैबतपुर, थाना बिलग्राम का निवासी बताया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने चोरी की गई भैंस को बेच दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भैंस की बिक्री से प्राप्त 21,500 रुपये नकद बरामद किए। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई महिंद्रा मैक्सो गाड़ी भी आरोपियों के कब्जे से बरामद की गई।

पुलिस के मुताबिक जांच के दौरान चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान अंकित पुत्र राम बक्श, भूरा उर्फ गौरव पुत्र प्रीतम, मोहम्मद कैफ उर्फ गोलू पुत्र इदरीश और लईक उर्फ अतीक अली पुत्र सफीक अली के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार अंकित, भूरा उर्फ गौरव और मोहम्मद कैफ उर्फ गोलू मैदानपुरा/गंगा धाम, थाना बिलग्राम के रहने वाले हैं। वहीं लईक उर्फ अतीक अली हैबतपुर, थाना बिलग्राम का निवासी है।

भैंस चोरी की शिकायत पर दर्ज हुआ था मुकदमा

मामला 21 अगस्त 2026 का है। मुनौरापुर, थाना मल्लावां निवासी ब्रजभान सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह ने माधौगंज थाने में लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया था कि भूरा ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनकी भैंस चोरी कर ली है।

इन पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

पशु चोरी के मामले का खुलासा करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राजकुमार सरोज, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल सोनू यादव के अलावा कांस्टेबल रजनीश, धीरज, विपुल और आशीष शामिल रहे। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

कार्यक्रम : आबकारी मंत्री ने 20 रसोइयों को बांटे प्रतीकात्मक कैशलेस कार्ड और चेक

रसोइया सम्मान समारोह आयोजित

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन तैयार करने वाली रसोइयों के सम्मान में रविवार को हरदोई शहर के गांधी भवन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे आयोजित 'रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम' में प्रदेश के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर 20 रसोइयों को सम्मानित किया और उन्हें प्रतीकात्मक रूप से कैशलेस चिकित्सा कार्ड व चेक वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश सरकार की ओर से रसोइयों का मानदेय बढ़ाए जाने के उपलक्ष्य में किया गया।

अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की रही मौजूदगी

समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन, मुख्य विकास अधिकारी नेहा ब्याडवाल, सिटी मजिस्ट्रेट संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक अरविंद कुमार पाठक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रभात मिश्रा समेत कई अधिकारी, जनप्रति-निधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान रसोइयों के योगदान को रेखांकित करते हुए उनके सम्मान और कल्याण के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी गई। मानदेय में बढ़ोतरी और कैशलेस चिकित्सा सुविधा को रसोइयों के लिए अहम कदम बताया गया।

10 रसोइयों को मिले कैशलेस चिकित्सा कार्ड

समारोह में कुल 20 रसोइयों को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। इनमें से 10 रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड और 10 अन्य रसोइयों को चेक प्रदान किए गए। कैशलेस चिकित्सा कार्ड पाने वाली रसोइयों में नगर क्षेत्र हरदोई की नन्ही देवी, प्राथमिक विद्यालय जलाखरपुरवा; धीरा सिंह और मधु, उच्च प्राथमिक विद्यालय रेलवेगंज; तथा साधना देवी, प्राथमिक विद्यालय जलाखरपुरवा शामिल रहीं। पूर्व माध्यमिक विद्यालय नयागांव मुबार-कपुर और रामवती, प्राथमिक विद्यालय रमपुरा को कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान किए गए।

10 रसोइयों को दिए गए चेक

कार्यक्रम के दौरान 10 अन्य रसोइयों को चेक वितरित किए गए। इनमें नगर क्षेत्र हरदोई से किरन गौड, संविदा विद्यालय बहरा सौदागर; गुड्डी, प्राथमिक विद्यालय ऊंचाथोक; सुमन मिश्रा, प्राथमिक विद्यालय सुभाषनगर; और राम दुलारी, प्राथमिक विद्यालय कन्या रेलवेगंज शामिल रहीं। बावन विकासखंड से कमला, नन्ही और बीना को चेक दिए गए। तीनों प्राथमिक विद्यालय बावन अंग्रेजी माध्यम से जुड़ी हैं।

सैफ यीस्ट कंपनी से खमीर के दो फॉर्मूले गायब

लॉगबुक से पन्ने फाड़ने का संविदाकर्मी पर आरोप, केस हुआ दर्ज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के संडीला औद्योगिक क्षेत्र स्थित सैफ यीस्ट कंपनी में खमीर बनाने के दो महत्वपूर्ण उत्पादन फॉर्मूले गायब हो गए हैं। यह मामला 23 अगस्त रविवार दोपहर 3 बजे सामने आया। कंपनी की प्रयोगशाला में रखी लॉगबुक से इन फॉर्मूलों वाले पन्ने फाड़ दिए गए हैं। कंपनी प्रबंधन ने इस संबंध में पुलिस को शिकायत दी है। आरोप है कि कंपनी में संविदा पर कार्यरत एक कर्मचारी ने लॉगबुक के उन दोनों पन्नों को फाड़ दिया, जिन पर खमीर बनाने से संबंधित महत्वपूर्ण उत्पादन सूत्र दर्ज थे। पन्ने गायब होने की जानकारी मिलने के बाद कंपनी ने इसे गंभीरता से लिया।

कंपनी के महाप्रबंधक ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि संविदाकर्मी ने जानबूझकर लॉगबुक से फॉर्मूले वाले पन्ने फाड़कर गायब किए हैं। कंपनी प्रबंधन के अनुसार, उत्पादन प्रक्रिया से संबंधित जानकारी किसी भी औद्योगिक इकाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, और ऐसे में फॉर्मूलों का गायब होना एक गंभीर मामला है। महाप्रबंधक की तहरीर के आधार पर पुलिस ने संविदा कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच में जुट गई है। जांच के दौरान पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि लॉगबुक के दोनों पन्ने कब फाड़े गए थे। इसके साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि पन्नों को हटाने के पीछे कर्मचारी की क्या मंशा थी और क्या इस घटना में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है। फिलहाल, कंपनी की प्रयोगशाला से खमीर उत्पादन के दो फॉर्मूले वाले पन्नों के गायब होने का यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि पन्ने किसने और किस उद्देश्य से फाड़े थे। पुलिस दर्ज मुकदमे के आधार पर साक्ष्यों और संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है।

सम्पादकीय

सरकारी विद्यालयों की दशा

यह अच्छा है कि विभिन्न कारणों से सरकारी स्कूलों की दशा की ओर ध्यान आकृष्ट हुआ है। कहीं सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र ही उनकी समस्याएं उजागर कर रहे हैं तो कहीं काकरोच जनता पार्टी के कार्यकर्ता उनकी हालत बयान कर रहे हैं। हालांकि वे ऐसा संकीर्ण राजनीतिक इरादों से करते दिख रहे हैं, लेकिन उनकी स्थिति पर चर्चा छिड़ना इसलिए उचित है, क्योंकि उनमें पठन-पाठन की उपयुक्त व्यवस्था करने की सख्त जरूरत है।

एक समय अधिकांश बच्चे सरकारी स्कूलों पर ही निर्भर थे। तब उनकी स्थिति अपेक्षाकृत संतोषजनक थी, लेकिन जैसे-जैसे निजी विद्यालय खुलते गए, वे उपेक्षित होते गए। हालांकि सरकारें उन पर धन खर्च कर रही हैं, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि उसका समुचित इस्तेमाल हो रहा है या नहीं? जब समय के साथ सरकारी विद्यालयों की दशा सुधरनी चाहिए थी, तब ऐसे सरकारी विद्यालयों और विशेष रूप से प्राइमरी विद्यालयों की गिनती करना कठिन है, जिनके पास उपयुक्त भवन ही नहीं हैं।

न जाने कितने सरकारी विद्यालय जर्जर इमारतों में चल रहे हैं। कुछ तो ऐसे हैं, जिनके पास भवन के नाम पर कुछ है ही नहीं। इसके अतिरिक्त तमाम ऐसे सरकारी स्कूल भी हैं, जिनमें सामान्य बुनियादी सुविधाओं का भी टोटा है।

समस्या केवल इतनी ही नहीं है कि सरकारी विद्यालयों के पास ढंग के भवन, पीने के पानी की सुविधा और शौचालय सरीखी बुनियादी सुविधाएं नहीं है। समस्या यह भी है कि वे शिक्षकों के अभाव से भी जूझ रहे हैं। इस तथ्य की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि बहुत से सरकारी विद्यालयों में केवल एक ही शिक्षक है। आखिर संसाधनों से विहीन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र सही तरीके से शिक्षित कैसे हो पाएंगे?

चूंकि सरकारी स्कूलों की दुर्दशा दूर होने का नाम नहीं ले रही है, इसलिए लोग अपने बच्चों को वहां पढ़ाने से कतराते हैं और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद उन्हें निजी विद्यालयों में भेजने के लिए विवश होते हैं। आमतौर पर वही अभिभावक सरकारी विद्यालयों में अपने बच्चों को भेजते हैं, जिनके पास इसके अलावा और कोई उपाय नहीं होता। वैसे तो इसके पहले भी सरकारी विद्यालयों की दुर्दशा सामने आती रही है, लेकिन चिंता की बात यह है कि वह दूर होने का नाम नहीं ले रही है। राज्य सरकारों को इसके लिए सक्रिय होना होगा कि सरकारी स्कूलों की दशा सुधरे और उनमें पठन-पाठन का स्तर ऐसा हो कि लोगों को मजबूरी में निजी विद्यालयों की ओर रुख न करना पड़े। इस मामले में केंद्र सरकार को भी यह देखना चाहिए कि राज्य सरकारें उदाहरण पेश करें। यदि भारत को वास्तव में विकसित देश बनाना है तो इसका एक उपाय शिक्षा की बुनियाद ठीक करना है।

दिमागी नक्सली की बहस और लाल किले से निकले शब्दों की चुभन

> प्रधानमंत्री के भाषणों की एक विशेषता यह रही है कि वे अक्सर राजनीतिक संदेश के साथ सामाजिक और राष्ट्रीय अभियान का आह्वान भी करते हैं। लाल किले से दिए गए भाषण का महत्व इसी कारण बढ़ जाता है।

लोकतंत्र में शब्दों की अपनी शक्ति होती है। शब्द कभी भरोसा पैदा करते हैं, कभी चेतावनी देते हैं, कभी उम्मीद जगाते हैं और कभी राजनीतिक बहस को इतना तीखा बना देते हैं कि उनके अर्थ से अधिक उनके इस्तेमाल पर चर्चा होने लगती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में देश की आंतरिक चुनौतियों, राष्ट्रविरोधी सोच, विकास और राष्ट्रीय एकता से जुड़े कई मुद्दे उठाए। इसी क्रम में यदि उन्होंने ‘दिमागी नक्सली’ जैसे शब्द का इस्तेमाल किया, तो यह स्वाभाविक है कि उस पर राजनीतिक और सामाजिक बहस हो। प्रश्न यह है कि आखिर ‘दिमागी नक्सली’ से तात्पर्य क्या है और लाल किले जैसे सर्वोच्च राष्ट्रीय मंच से निकला यह शब्द विरोधियों को क्यों चुभ रहा है? सबसे पहले यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि दिमागी नक्सली कोई सामान्य कानूनी या संवैधानिक श्रेणी नहीं है। इसे मुख्यतः राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द माना जा सकता है। सामान्य अर्थ में इसका प्रयोग उन लोगों के लिए किया जाता है जिन पर आरोप लगाया जाता है कि वे हिंसक नक्सली विचारधारा, राज्य-विरोधी सोच या लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास को वैचारिक स्तर पर बढ़ावा देते हैं, भले ही वे स्वयं हथियार उठाकर हिंसा में शामिल न हों।लेकिन यहीं से असली बहस शुरू होती है। किसी व्यक्ति की सरकार से असहमति, किसी नीति का विरोध, किसी आंदोलन का समर्थन अथवा सत्ता की आलोचना को सीधे दिमागी नक्सलवाद कह देना लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना देशद्रोह नहीं है और विपक्षी विचार रखना राष्ट्रविरोध नहीं है। दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति या संगठन वास्तव में हिंसा, अलगाववाद, संवैधानिक व्यवस्था को हिंसक तरीके से गिराने या प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के समर्थन में सक्रिय है, तो उसकी विचारधारा पर गंभीर प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है।यानी फर्क करना जरूरी है—असहमति और हिंसक विचारधारा में, आलोचना और राष्ट्रविरोध में, विपक्ष और उग्रवाद में। लाल किले की प्राचीर केवल भाषण देने का मंच नहीं है। यह भारत की स्वतंत्रता, संविधान, लोकतंत्र और करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। इसलिए वहां से प्रधानमंत्री के मुख से निकला प्रत्येक शब्द राजनीतिक बयान से कहीं अधिक महत्व रखता है। जनता उसके शब्दों में सरकार की दिशा और भविष्य की प्राथमिक-ताओं का संकेत खोजती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल किए गए किसी भी तीखे या असामान्य शब्द पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं तेज हो जाती हैं। विरोधियों को दिमागी नक्सली शब्द चुभने का एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि राजनीतिक दलों और विचारधाराओं के बीच पहले से ही अविश्वास की खाई गहरी है। जब सत्ता पक्ष किसी विचारधारा या समूह पर गंभीर आरोप लगाने वाली भाषा का इस्तेमाल करता है, तो विपक्ष को आशंका होती है कि कहीं असहमति की व्यापक श्रेणी को ही राष्ट्रविरोध के दायरे में तो नहीं लाया जा रहा। यही आशंका राजनीतिक विवाद को जन्म देती है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। भारत ने दशकों तक नक्सल हिंसा की चुनौती झेली है। जंगलों और आदिवासी क्षेत्रों में हिंसा, सुरक्षा बलों पर हमले, विकास कार्यों में बाधा और निर्दोष नागरिकों की मौत ने अनेक परिवारों को प्रभावित किया। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई केवल बंदूक से नहीं लड़ी जा सकती। इसके लिए विकास, शिक्षा, रोजगार, प्रशासनिक पहुंच, न्याय और स्थानीय लोगों का विश्वास भी आवश्यक है। यहीं दिमागी नक्सलवाद जैसी अवधारणा पर गंभीर विमर्श की जरूरत पड़ती है। यदि किसी हिंसक विचारधारा का प्रभाव समाज में वैचारिक स्तर पर फैलता है, तो उसका मुकाबला लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से किया जाना चाहिए। लेकिन इस काम में सबसे बड़ा हथियार तर्क और संवाद होना चाहिए, लेबल नहीं। भारत की ताकत ही उसकी विविधता है। यहां वामपंथी विचार भी हैं, दक्षिणपंथी विचार भी हैं, समाजवादी विचार भी हैं, उदारवादी विचार भी हैं और अनेक क्षेत्रीय राजनीतिक धाराएं भी हैं। इनमें से हर विचार से सहमत होना संभव नहीं लेकिन हर असहमति को देशविरोधी बताना लोकतांत्रिक परंपरा को कमजोर कर सकता है। वास्तविक चुनौती यह है कि देश विरोधी हिंसक गतिविधियों और लोकतांत्रिक असहमति के बीच स्पष्ट रेखा कैसे खींची जाए। यदि यह रेखा धुंधली होती है तो राजनीतिक शब्दावली समाज को बांट सकती है। यदि यह रेखा स्पष्ट रहती है तो सुरक्षा और लोकतंत्र दोनों मजबूत होते हैं। यह अवसर केवल सरकार की उपलब्धियां गिनाने का नहीं, बल्कि देश के सामने मौजूद चुनौतियों को व्यापक राष्ट्रीय दृष्टिकोण से रखने का भी होता है।इसलिए प्रधानमंत्री के किसी कथन को केवल राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय उसके व्यापक संदर्भ को समझना चाहिए। यदि दिमागी नक्सली शब्द का उद्देश्य हिंसक विचारधारा के वैचारिक समर्थकों की ओर संकेत करना है, तो सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि उसकी परिभाषा क्या है। कौन व्यक्ति या कौन-सी गतिविधि इस श्रेणी में आती है? क्या केवल सरकार की आलोचना करने वाला व्यक्ति भी इसके अंतर्गत आएगा? क्या किसी नीति का विरोध करने वाला नागरिक भी इसमें शामिल होगा? इन प्रश्नों के स्पष्ट उत्तर लोकतांत्रिक समाज में बेहद जरूरी हैं। क्योंकि शब्द जितना बड़ा मंच पाता है, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है। विपक्ष की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि सरकार किसी गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती की ओर ध्यान आकर्षित करती है, तो हर बात को केवल राजनीतिक हमला बताकर खारिज कर देना भी उचित नहीं। भारत में नक्सली हिंसा की वास्तविकता रही है और देश ने इसकी कीमत चुकाई है। इसलिए यदि सरकार वैचारिक स्तर पर हिंसक उग्रवाद के विस्तार की बात करती है तो विपक्ष को तथ्यों के आधार पर जवाब देना चाहिए लेकिन विपक्ष को यह सुनिश्चित करने का अधिकार भी है कि लोकतांत्रिक असहमति को अपराध या राष्ट्रविरोध का पर्याय न बनाया जाए।

सौरभ वार्ष्णेय

नि:शुल्क की कीमत

यह मानव जीवन का सत्य हैं की अगर कोई चीज़ हमें आराम से बिना श्रम के मिल जाती हैं तो हम कभी - कभी इन चीज़ों के प्रति इतने लापरवाह हो जातें हैं की उसकी उपयोगिता भी हमारे ध्यान में नहीं रहती हैं । जैसे - साँस हमको आसानी से मिल रही हैं लेकिन हम आयें दिन प्रकृति का दोहन कर रहे हैं और उसकी शुद्धता भी कम करते जा रहे हैं इसके साथ में जो धुल - मिट्टी के जो कण हमने पैदा किये हैं वो हमारे शरीर में जा रहे हैं साथ में उसको हमने महसूस किया क्या ? नहीं या किया भी तो अपने स्वार्थ पूर्ति में उसकी हम अनदेखी करते जा रहे हैं । इसी तरह और भी उदाहरण हैं जिसको हम जानते , बुझते , समझते , अनजाने आदि में अनदेखा करते जा रहे हैं । यह जो स्थितयाँ हम पैदा करते जा रहे है । वो चिंतनीय बनती जा रही हैं । माटी महके-पंछी चहके उतरे स्वर्ग विहान.. प्रकृति उपहार प्रकृति के ऐसा भयावह दोहन हो रहा हैं । पर्वतों के शिखरों को तोड़-तोड़ कर पत्थर (मार्बल , ग्रेनाईट आदि) हमने चलन में ख़ूब - ख़ूब कर रखे है ।हरियाली जंगल की हर ली हमने ही अपनी महत्वाकांक्षाओ में वन को हमने वीरान बना दिया है और उस वन में ऊँचे ऊँचे फ़्लैटो की बिल्डिंग बनाकर बहुत इतरा के स्वयं हम बैठे है । वीरान हो गये जंगल और प्रकृति की शुद्ध हवा , पक्षियों का कलरव आदि भी अब तो केवल सर्वत्र आदमियों के ही जंगल भरे हैं । प्रकृति के इस नि:शुल्क उपहार की हमने क्या हालत कर दी हैं...?? पंछी का हाल बेहाल हो गया हैं क्योंकि मनुष्य के दूषण से जीना हुआ मुहाल । वायु को प्रदूषित करने में लाज ना आइ तनिक भी हमको हम बन गये हैं दानव सरताज । नदियाँ थी संजीवनी उनको हमने कचरा,मैला आदि डाल - डाल कर दिया हैं व कर रहे हैं मलिन नीर । पंछी तो पानी चोंच भरकर पीकार उड़ जाता है, परन्तु हमारी लिप्सा पानी व्यर्थ बहे । दिमाग की हर खिड़की मूँद ली हमने भर-भर पत्थर ईट,पंछी के घर छीन लिए जो पेड़ पर बसेरा कर खुले आकाश में उड़ते,धरती मैली नही करते-थोड़े जल आस से तो करनी है हमें जीवन कि रक्षा पर्यावरण की करो सुरक्षा।

› प्रदीप छाजेड़

तिब्बत का सवाल...

कुमार कृष्णन

तिब्बतः जब पहचान पर सत्ता भारी पड़ने लगे

किसी समाज की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं बनती। भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपरा और सामूहिक स्मृतियां भी उसके अस्तित्व का आधार होती हैं। इसलिए, जब राजनीतिक सत्ता और सांस्कृतिक पहचान के बीच टकराव बढ़ता है, तो विवाद केवल भूगोल का नहीं रह जाता। वह मनुष्य के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। तिब्बत आज इसी सवाल के बीच खड़ा है।

20 अगस्त 2026 को धर्मशाला में काशाग और निर्वासित तिब्बती संसद ने लोबगा राङ्चेन की मृत्यु के 49वें दिन प्रार्थना सभा और शांति पदयात्रा आयोजित की। राङ्चेन ने 2 जुलाई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने आत्मदाह किया था। कार्यक्रम में सिक्योंग पेनपा त्सेरिंग ने काशाग का वक्तव्य प्रस्तुत किया। पदयात्रा में चीन की तिब्बत नीति और 1 जुलाई से लागू हुए ‘जातीय एकता और प्रगति कानून’ के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया।

पेनपा त्सेरिंग ने राङ्चेन की मृत्यु को तिब्बती प्रश्न की गंभीरता से जोड़ते हुए तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति, धर्म और पहचान पर बढ़ते दबाव की चिंता व्यक्त की। लेकिन इस पूरे प्रसंग का सबसे संवेदनशील पक्ष आत्मदाह है। किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए जीवन समाप्त करना समाधान नहीं हो सकता। यह पहले

एक मानवीय त्रासदी है। सवाल यह है कि कोई व्यक्ति ऐसी निराशा की स्थिति में क्यों पहुंचता है, जहां उसे अपनी आवाज सुनाने के लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ती है। चीन नए कानून को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक स्थिरता और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच सहयोग की व्यवस्था के रूप में देखता है। तिब्बती नेतृत्व की चिंता इसके विपरीत है। उसका कहना है कि इससे तिब्बती भाषा, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। इस मतभेद को भावनाओं के बजाय तथ्य और स्वतंत्र जांच के आधार पर समझना जरूरी है।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकरूपता एक नहीं हैं। दुनिया के अनेक देशों में अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों वाले समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। मजबूत राष्ट्र वह नहीं जो अपनी विविधता मिटा दे, बल्कि वह है जो विविधता के भीतर एकता कायम करे।

तिब्बती नेतृत्व का दावा है कि बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जहां उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक वातावरण से दूरी बढ़ रही है। शिक्षा में चीनी भाषा को बढ़ती प्राथमिकता मिलने को लेकर भी चिंता जताई गई है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन भाषा के महत्व को समझने के लिए किसी राजनीतिक पक्ष की पुष्टि की जरूरत नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास, साहित्य, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित रहता है। किसी समुदाय की मातृभाषा यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में लगातार कमजोर होती है, तो उसके साथ सांस्कृतिक स्मृति भी कमजोर पड़ सकती है।

तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रश्न भी इसी से जुड़ा है। तिब्बत में धर्म निजी आस्था से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार है। मठ, धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक परंपराएं तिब्बती पहचान से जुड़ी हैं। तिब्बती नेतृत्व लंबे समय से धार्मिक संस्थाओं और धार्मिक नेतृत्व में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाता रहा है।

धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल पूजा करने की अनुमति नहीं है। इसमें धार्मिक संस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। इसलिए तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता का मूल्यांकन केवल धार्मिक स्थलों की मौजूदगी से नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक निरंतरता से भी होना चाहिए।

हालांकि इस विषय में सावधानी जरूरी है। तिब्बती निर्वासन प्रशासन के आरोपों को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा, जैसे चीनी सरकार के दावों को बिना जांच स्वीकार करना भी उचित नहीं है। तिब्बत जैसे संवेद-नशील प्रश्न में स्वतंत्र तथ्य-जांच सबसे महत्वपूर्ण है।

तिब्बत का सवाल केवल भाषा, धर्म और राजनीति तक सीमित नहीं है। उसका पर्याव-रणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। तिब्बती पठार एशिया की अनेक प्रमुख नदियों का उद्गम क्षेत्र है। वहां बांध, खनन और बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का असर तिब्बत से बाहर तक जा सकता है। भारत सहित कई देशों की जल और पर्यावरण सुरक्षा हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़ी है।

भारत के लिए तिब्बत इसलिए केवल दूर का भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं है। सीमा सुरक्षा, जल संसाधन, हिमालयी पर्यावरण और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध इसे सीधे भारतीय हितों से जोड़ते हैं।

राजनीतिक...

राजेश श्रीवास्तव

यूपी में योगी को फ्री हैंड, केशव केंद्र में मंत्री,तो असीम हो सकते हैं डिप्टी सीएम

भाजपा का संगठनात्मक बदलाव काफी देरी से हुआ है, लेकिन यह 'देर आए दुरुस्त आए' जैसा है। जेन-जी के सफल आंदोलनों ने सरकार और संगठन दोनों को परेशान किया, जिसके बाद पीएम मोदी ने वीडियो जारी कर नई पीढ़ी को संबोधित किया। नई टीम में 65 में से 51 नए चेहरे लाकर संगठन को ऊर्जावान बनाने की कोशिश की गई है। इसके साथ ही, अनुभवी विनोद तावड़े और सुनील बंसल को बरकरार रखा गया है। सोशल मीडिया टीम में बदलाव कर आक्रामक चेहरों को लाया गया है। इस पूरी नई टीम में संघ का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है लेकिन इस दौरान जो सबसे स्पष्ट संकेत मिले हैं उससे लगता है कि अब यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बार चुनाव में पूरी पावर मिलने जा रही है। वह न केवल मुख्यमंत्री के रूप में सरकार का चेहरा होंगे बल्कि उनकी बनायी रणनीति पर ही भाजपा अमल करेगी। जबकि केशव मौर्य को डिप्टी सीएम पद से हटाकर केंद्र में मंत्री बनाने और असीम अरुण को डिप्टी सीएम बनाने की कवायद भी तेज चल रही है। जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनावों में मिली हार से सबक लेते हुए उत्तर प्रदेश में बीजेपी ने एक अहम फैसला लिया है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'फ्री हैंड' दे दिया है। 2027 विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनावी रणनीति बनाने की जिम्मेदारी सीधे अब योगी के हाथों में होगी। सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में इसका दावा किया जा रहा है। लोकसभा, विधानसभा या राज्यसभा चुनाव के लिए अब तक भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ही उम्मीदवारों के नाम पर आखिरी फैसला लेता था। हालांकि, एनडीए के सहयोगी दलों अपना दल (एस) आरएलडी, निषाद पार्टी और सुभासपा के साथ सीटों के बंटरवारे का फैसला केंद्रीय नेतृत्व ही करेगा। सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश बीजेपी के नए प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े के सीएम योगी से अच्छे संबंध माने जाते हैं। विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री से बेहतर तालमेल के लिए ही उन्हें यूपी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 2024 लोकसभा चुनाव से पहले सीएम योगी ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को एक लिस्ट सौंपी थी। इस लिस्ट में 24 से ज्यादा सांसदों के टिकट काटकर नए उम्मीदवारों को टिकट देने की बात कही गई थी। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व ने इसे मानने से इनकार कर दिया था। भाजपा ने 64 में से 47 सांसदों को दोबारा उम्मीदवार बनाया, लेकिन 47 में से 26 सांसद चुनाव हार हार गए। उत्तर प्रदेश में भाजपा केवल 33 सीटों पर सिमट गई। जिसका नतीजा यह हुआ कि केंद्र में पार्टी को अपने दम पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और पार्टी के एक बड़े धड़े ने इस पर गंभीर सवाल उठाए थे और पार्टी पर योगी की सलाह न मानने पर विरोध भी जताया था। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी टिकट बंटवारे के लिए इस बार कोर कमेटी का गठन करेगी। इसमें उम्मीदवारों के नाम पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संगठन महामंत्री धर्मपाल सिह, आरएस-एस के क्षेत्र प्रचारक अनिल कुमार, महेंद्र कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक अपनी राय रखेंगे हालांकि, आखिरी फैसला मुख्यमंत्री योगी ही लेंगे।

जरा हटके

डिजिटल तकनीक...

आशीष सिंह

मार्गदर्शी ऐप से उत्तर प्रदेश में सुरक्षित, सुगम और स्मार्ट सार्वजनिक परिवहन की नई पहल

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएस-आरटीसी) ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए ‘मार्गदर्शी ऐप’ की शुरुआत की है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को डिजिटल तकनीक से जोड़ने वाली यह पहल यात्रियों को बस यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को न केवल यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी, बल्कि बसों की वास्तविक समय स्थिति, आगमन का अनुमानित समय और मार्ग संबंधी जानकारी भी आसानी से प्राप्त हो सकेगी। परिवहन विभाग के मार्गदर्शी ऐप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक रियल-टाइम ट्रैकिंग है। यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बस की वर्तमान स्थिति देख सकते हैं और उसके निर्धारित स्टॉप पर पहुंचने के अनुमानित समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे यात्रियों को बस के इंतजार में अनावश्यक समय बिताने से राहत मिलेगी और वे अपनी यात्रा को अधिक व्यवस्थित ढंग से तय कर सकेंगे। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को अपने आसपास स्थित बस स्टॉप तथा विभिन्न मार्गों की जानकारी भी मिल सकेगी। दो स्टॉपेज के बीच उपलब्ध बस सेवाओं और उनके समय की जानकारी प्राप्त होने से यात्रियों के लिए उपयुक्त बस का चयन करना आसान होगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए उपयोगी होगी जो किसी नए शहर या क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हैं।

डिजिटल तकनीक के माध्यम से बस संचालन को अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया है। मोबाइल ऐप और वेब एप्लिकेशन के माध्यम से यात्री बस की स्थिति, संभावित देरी और महत्वपूर्ण घोषणाओं की वास्तविक समय जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस व्यवस्था से यात्रियों को बस के समय में होने वाले बदलावों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। परिणामस्वरूप वे अपनी यात्रा की योजना में आवश्यक बदलाव कर सकेंगे और समय की बचत होगी। सार्वजनिक परिवहन के प्रति यात्रियों का विश्वास बढ़ाने में भी ऐसी डिजिटल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। मार्गदर्शी ऐप की एक प्रमुख विशेषता यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी डिजिटल व्यवस्था है। ऐप में डिजिटल एसओएस बटन की सुविधा दी गई है, जिसके माध्यम से आकस्मिक या आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए डायल-112 से सीधे संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बसों में पैनिक बटन की व्यवस्था भी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसी आपात स्थिति में यात्री तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए इस व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। इससे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और अन्य संवेदनशील वर्गों के लिए सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है। बसों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था यात्रियों के साथ-साथ पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के बीच त्वरित समन्वय को भी बढ़ावा दे सकती है। आपात स्थिति में सूचना तेजी से संबंधित एजेंसियों तक पहुंचने से सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मार्गदर्शी की सेवाओं को मोबाइल ऐप के साथ-साथ वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भी उपलब्ध कराने का उद्देश्य डिजिटल पहुंच को व्यापक बनाना है। यात्री अपनी आवश्यकता के अनुसार मोबाइल फोन या वेब माध्यम से सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बसों और मार्गों की जानकारी उपलब्ध होने से यात्रा की योजना बनाना आसान होगा। यात्रियों को बस स्टैंड पहुंचने से पहले ही उपलब्ध सेवाओं और संभावित समय की जानकारी मिल सकेगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का अनुभव अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाया जा सकेगा। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोग प्रतिदिन सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में परिवहन सेवाओं को डिजिटल तकनीक से जोड़ना यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मार्गदर्शी ऐप के माध्यम से रियल-टाइम जानकारी, डिजिटल फीडबैक, आपातकालीन सहायता, बस ट्रैकिंग और मार्ग संबंधी जानकारी जैसी सुविधाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है। इससे यात्रियों को बेहतर जानकारी मिलने के साथ-साथ परिवहन निगम के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। यूपीएस-आरटीसी की मार्गदर्शी ऐप पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बस की वास्तविक समय स्थिति से लेकर अनुमानित आगमन समय, मार्ग और स्टॉपेज की जानकारी, सुझाव एवं शिकायत की सुविधा तथा डिजिटल एसओएस जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की क्षमता रखती हैं। विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा और आपात-कालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता की व्यवस्था इस पहल को और महत्वपूर्ण बनाती है। यदि इन डिजिटल सेवाओं का प्रभावी संचालन, नियमित अद्यतन और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाता है, तो मार्गदर्शी ऐप उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और यात्री-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

जमीन से गायब पाठशालाओं को ढूंढने वाले को संजय सिंह देंगे ₹ 1 लाख, भ्रष्ट अफसरों पर केस दर्ज हो

चंदा-चीनी के बाद अब 'स्कूल चोरी'

विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में 'स्कूल चोरी' के एक अद्भुत और अनोखे मामले का पर्दाफाश किया। उन्होंने बताया कि जौनपुर जिले में पाँच ऐसे प्राथमिक विद्यालय हैं, जिनका जमीन पर कोई अता-पता नहीं है, लेकिन सरकारी रिकॉर्ड (U-DISE) में इन्हें 'ऑपरेशनल' दिखाया जा रहा है। आप सांसद ने खुली चुनौती देते हुए घोषणा की कि जो कोई भी इन पाँच गायब स्कूलों में से एक को भी खोज कर दिखा देगा, उसे वे अपनी तनख्वाह

प्राथमिक विद्यालय बाग हासिम

आप सांसद संजय सिंह ने नगर शिक्षा अधिकारी की चिट्ठी दिखाते हुए कहा कि इन स्कूलों की बिल्डिंग का पता नहीं है और जमीन स्वामियों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा, ?योगी सरकार में चंदा चोरी, जमीन चोरी और चीनी चोरी के बाद अब 'स्कूल चोरी' का नया मॉडल सामने आया है। यूडायस (U-DISE) पोर्टल पर ये स्कूल चल रहे हैं, लेकिन हकीकत में न वहाँ टीचर हैं, न बच्चे और न ही बिल्डिंग।

*** योगी राज में 'स्कूल चोरी' का अनोखा मामला; जौनपुर के 5 सरकारी स्कूल जमीन से 'गायब', कागजों में दिखा रहे ऑपरेशनल - संजय सिंह**

से 1 लाख रुपये का नकद इनाम देंगे। सच दिखाने वालों पर FIR, घोटालेबाजों को संरक्षणः भाजपा का तानाशाही चेहरा - संजय सिंह संजय सिंह ने योगी सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी विफलता छिपाने के लिए सच उजागर करने वालों को निशाना बना रही है। उन्होंने कहा कि नोएडा में स्कूल की बदहाली दिखाने पर 'आप' यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह पर FIR कर दी गई और हरदोई में कार्यकर्ता फिरोज़ सिद्दीकी पर मुकदमा दर्ज कराया गया। उन्होंने सवाल किया, योगी जी, FIR तो उन अधिकारियों और DM पर होनी चाहिए जिन्होंने मिड-डे मील का पैसा खाया और स्कूलों को बर्बाद किया। आप सच दिखाने वालों को जेल भेज रहे हैं? हम डरने वाले नहीं हैं, अगर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो मैं 156(3) के तहत कोर्ट जाकर भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ FIR दर्ज कराऊँगा। संजय सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा और योगी सरकार ने प्रदेश में 90 हज़ार से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद कर दिए ताकि उनके चहेतों के प्राइवेट स्कूल मोटी कमाई कर सकें। जनता के लिए अपीलः संजय सिंह ने अंत में दोहराया कि 'स्कूल ठीक करो' अभियान जारी रहेगा। उन्होंने जनता से फिर अपील की कि वे अपने क्षेत्र के खराब स्कूलों के वीडियो हेल्पलाइन नंबर 8382928009 पर व्हाट्सएप करें। उन्होंने कहा, योगी जी, आप पूँजीपतियों के लिए करोड़ों खर्च करते हैं, ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन, विश्वास और

अवध, रुहेलखंड और ब्रज के स्कूलों में बदहाली का अंबार - संजय सिंह'

स्कूल ठीक करो' अभियान के तहत संजय सिंह ने आज प्रदेश के तीन और प्रांतों की वीडियो रिपोर्ट जारी कीः

■ **अवध प्रांतः** प्रतापगढ़, सिद्धार्थ-नगर और सोनभद्र के स्कूलों में छतें गायब हैं, शौचालय गंदगी से अटे पड़े हैं और कहीं 5 कक्षाओं पर मात्र 3 शिक्षक हैं।

■ **रुहेलखंड प्रांतः** बरेली, बदायूँ और बिजनौर में बच्चे कीचड़ और गंदगी के बीच बैठने को मजबूर हैं। पीने के पानी की टंकियाँ सड़ी हुई हैं।

■ **ब्रज प्रांतः** आगरा, फिरोज़ाबाद और हाथरस के स्कूलों के गेट पर कूड़े के ढेर लगे हैं। स्कूल की बिल्डिंगें ढह चुकी हैं और कहीं-कहीं 800 बच्चों पर सिर्फ 4 शिक्षक हैं

अवसरों ने उन्हें सीखने, सेवा करने और देश-प्रदेश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी है।

रसोइयों की सेवाभावना से नन्हे विद्यार्थियों को मिल रहा पोषण : विधायक पूरन प्रकाश

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर स्थित जुपिटर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत कार्यरत मिड-डे मील रसोइयों का सम्मान किया। इस दौरान प्रदेश के 3.54 लाख रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण रविवार को मथुरा कलेक्ट्रेट सभागार सहित जनपद की सभी तहसीलों में किया गया। जिला प्रशासन एवं बेसिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। मुख्य अतिथि बलदेव विधायक पूरन प्रकाश ने 13 रसोइयों मछला, ज्ञानवती, ममता, योगेन्द्र कुमार, बसंती देवी, कमलेश, हसीना, इंद्रा देवी, रामबेटी, सीता कुमारी, डोरी लाल, सकुनात और समीना को बढ़े हुए मानदेय के चेक, आयुष्मान कार्ड एवं उपहार भेंट कर सम्मानित किया। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चों की बेहतर सेहत, पोषण और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने में रसोइयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। वे सेवाभाव के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने रसोइयों से संवाद कर उनके अनुभव जाने और उनका उत्साहवर्धन किया। बीएसए ने बताया कि शासन के निर्देश पर लखनऊ के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद मुख्यालय एवं सभी तहसीलों में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराया गया।

फास्ट न्यूज

मथुरा में डीएपी की बड़ी खेप पहुंची

मथुरा। खरीफ फसल के बीच किसानों के लिए राहत की खबर है। जनपद में इफको डीएपी की 2763 मीट्रिक टन की रैक पहुंच गई है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देशन में इसका आवंटन कर उर्वरक बिक्री केंद्रों और सहकारी समितियों पर खाद भेजी जा रही है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता अभिषेक कुमार मिश्र ने बताया कि 22 अगस्त को मथुरा जंक्शन स्थित रैक प्वाइंट पर इफको डीएपी की रैक प्राप्त हुई।

मुजफ्फरनगर में मुस्लिमों ने बुलडोजर मंगवाकर मदरसा ढहाया

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में मदरसा दारुल उलूम रहीमिया को कमेटी के लोगों ने खुद ढहाना शुरू कर दिया है। रविवार को बुलडोजर मंगवाया गया। 1200 वर्गमीटर में बने अवैध निर्माण को एक-एक करके गिराया जा रहा है। अब तक 300 वर्गमीटर में बने 2 हॉल को ढहाया जा चुका है। 900 वर्गमीटर में बने 8 कमरे बाकी हैं। कमेटी का दावा है कि ये मदरसा करीब 50 साल पुराना है। वहीं, प्रशासन के अफसरों ने बताया, 18 अगस्त को तहसीलदार (न्यायिक) अरविंद कुमार कुठार ने मदरसा संचालक हिफ्जुर्रहमान अंसारी को नोटिस जारी किया।

श्रीराम वनवास के मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर

मथुरा /अयोध्याधाम। मथुरा की सुप्रसिद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ब्रज संस्कृति केंद्र, मथुरा के कलाकारों ने तुलसी स्मारक स्थित अंतर्राष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में कैकेयी वरदान और श्रीराम वनवास की लीला का भावपूर्ण मंचन किया। लीला में दिखाया राज्याभिषेक की घोषणा किए जाने के बाद देवता चिंतित होकर मां सरस्वती से श्रीराम के वनगमन के माध्यम से उनके उद्देश्य में सहयोग करने की प्रार्थना करते हैं।

राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा की प्रदेश स्तरीय बैठक में संगठन विस्तार की रणनीति

75 जिलों तक पहुंच बढ़ाने का लक्ष्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा की प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक रविवार को वृंदावन योजना सेक्टर-5 स्थित संगठन के प्रधान कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में लखनऊ समेत प्रदेश के दो दर्जन से अधिक जिलों से जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा के साथ प्रदेशभर में संगठन को मजबूत करने और विस्तार की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम तिवारी ने की, जबकि संचालन लखनऊ के जिला अध्यक्ष दिनेश कुमार अवस्थी ने किया। पदाधिकारियों ने संगठन की आगामी गतिविधियों, जिलों में नियमित बैठकों और सामाजिक कार्यों को लेकर अपने सुझाव रखे। बैठक के दौरान संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नए पदाधिकारियों के मनोनयन की घोषणा की गई। योगेन्द्र द्विवेदी को राष्ट्रीय महासचिव और पीएम तिवारी को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा एमपी मिश्रा, गौरव शुक्ला और राजू मोहन पांडे को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया गया। विभिन्न जिलों से नियुक्त किए गए पदाधिकारियों को बैठक में नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए गए। प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में लखनऊ के साथ सीतापुर, रायबरेली, औरैया, उन्नाव, लखीमपुर खीरी, आगरा, कानपुर, जालौन और मैनपुरी समेत दो दर्जन से अधिक जिलों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। जिला पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन की गतिविधियों और अब तक किए गए कार्यों की जानकारी दी। इसके साथ ही आगामी कार्यक्रमों और संगठना-त्मक ढांचे को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई।

सभी 75 जिलों तक संगठन विस्तार का लक्ष्य

बैठक में राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा का विस्तार प्रदेश के सभी 75 जिलों तक करने का निर्णय लिया गया। संगठन ने प्रत्येक जिले में हर महीने अनिवार्य रूप से बैठक आयोजित करने की रणनीति बनाई है। इसके जरिए स्थानीय स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और संगठनात्मक गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर जोर दिया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि संगठन सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाएगा। गरीब ब्राह्मण परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करने और मेधावी छात्रों की शिक्षा में सहायता उपलब्ध कराने पर भी पदाधिकारियों ने सहमति जताई।

डी.जे. उपकरण चोरी करने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार

11 स्पीकर और दो चोरी की बाइक बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई पुलिस ने डी.जे. संचालन के उपकरण और मोटरसाइकिल चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एंड्रॉयड प्लेयर, एलईडी लाइट्स, 11 स्पीकर और चोरी की दो मोटर-साइकिलें बरामद की हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी नशे के आदी हैं और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे पुलिस के अनुसार 22 अगस्त को दानिश अंसारी की दुकान से एंड्रॉयड सिस्टम, एलईडी बल्ब और स्पीकर चोरी होने की शिकायत पर पीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा जुलाई और अगस्त में दो मोटरसाइकिल चोरी के मामले भी दर्ज हुए थे। घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई थीं टीमों ने करीब 400 से 500 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। इसके आधार पर पुलिस ने वाजिद पुत्र नासिर निवासी करौरा, नगराम और श्याम जी मिश्रा निवासी हुसैनगंज को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ डी.जे. संचालन में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया गया।

बरामद सामान में एक एंड्रॉयड प्लेयर, दो अल्ट्रा ऑडियो स्पीकर, दो एक्स ट्रांस स्पीकर, दो स्टेज-3 स्पीकर, तीन यूनो मिन्डा स्पीकर, दो सोनी स्पीकर, स्टिक एलईडी लाइट, मैक्स ऑडियो एलईडी हेड लाइट और रॉक ट्रॉन एमपी-3 प्लेयर शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि नशे की लत पूरी करने के लिए वे बंद मकानों और सुनसान स्थानों की रेकी कर मोटरसाइकिल व अन्य सामान चोरी करते थे। चोरी का सामान बेचकर मिले रुपये दोनों आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमे में बढ़ोतरी करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक वाजिद के खिलाफ पहले भी चोरी और चोरी का माल रखने के दो मुकदमे दर्ज हैं।

भारत-जापान संबंधों में अनुभव से नई साझेदारी तकः ऊर्जा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की नई पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने भारत-जापान संबंधों के साथ अपने दीर्घ अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वर्ष 2007 से प्रारंभ हुई जापान यात्रा आज वर्ष 2026 में उत्तर प्रदेश के लिए नई ऊर्जा एवं निवेश साझेदारियों के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर बन गई है। श्री शर्मा ने बताया कि वर्ष 2007 में गुजरात में आईएएस अधिकारी के रूप में उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ जापान यात्रा में शामिल होने का अवसर मिला था। इस यात्रा का उद्देश्य उद्योग, आधारभूत संरचना, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग को मजबूत करना था। वर्ष 2012 में भी उन्हें श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ जापान यात्रा में सहभागी बनने का अवसर मिला, जब गुजरात और जापान के बीच संस्थागत एवं औद्योगिक सहयोग को और विस्तार दिया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इन यात्राओं के दौरान उन्हें जापान की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना, नवाचार तथा दीर्घकालिक साझेदारी की कार्यसंस्कृति को नजदीक से समझने का अवसर मिला। आज वर्ष 2026 में उत्तर प्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री के रूप में जापान के साथ उसी संबंध को एक नई भूमिका और नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। श्री शर्मा ने कहा कि यामानाशी प्रीफेक्चर के साथ उत्तर प्रदेश का सहयोग हरित हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा, पावर-टू-गैस तकनीक, निवेश और सतत विकास के क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। यह साझेदारी उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी नवाचार और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के अनुरूप सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2007 में एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में शुरू हुआ अनुभव, वर्ष 2012 में आगे बढ़ा और वर्ष 2026 में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री के रूप में भारत-जापान साझेदारी के अगले अध्याय को मजबूत करने की जिम्मेदारी में परिवर्तित हो गया है। ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निरंतर मार्गदर्शन, विश्वास और अवसरों ने उन्हें सीखने, सेवा करने और देश-प्रदेश के विकास में योगदान देने की प्रेरणा दी है। उन्होंने कहा कि "जापान से सीखने की यात्रा अब जापान के साथ मिलकर निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।"

कांग्रेस सम्मेलन में मछली भोज

बीजेपी विधायक बोले- ये सनातन का अपमान, आयोजक ने कहा- हम संविधान का पालन कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

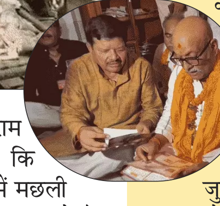

अयोध्या। अयोध्या में रविवार को गोसाईगंज विधानसभा का कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। इसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन में मछली भोज भी हुआ। इसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर जुबानी हमला बोला। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सावन महीने में करोड़ों सनातनी भगवान शिव आराधना में लीन हैं। उस समय मछली भोज करना कांग्रेस की सनातन विरोधी मानसिकता का खुला प्रदर्शन है। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि सनातन समाज की आस्था कोई राजनीतिक प्रयोगशाला नहीं है। अयोध्या में आकर मंदिरों में माथा टेकना और दूसरी तरफ सावन में मछली भोज कराना कांग्रेस के दोहरे चरित्र को उजागर करता है। सनातन की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को जनता जवाब देगी। यह सम्मेलन हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए राम निहाल निषाद ने कराया। उन्होंने कहा कि संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि सावन में मछली नहीं खाई जाती है। हम संविधान का पालन कर रहे हैं। वहीं सम्मेलन में शामिल होने से पहले अजय राय ने हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया। इससे पहले 11 अगस्त को यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने मछली को शाकाहारी बताया था। उन्होंने कहा था कि बिना लहसुन-प्याज के बनी मछली शाकाहारी है। यूपी सरकार और भारत के संविधान का निशान मछली, तीर और धनुष है। ये ही निषाद समाज का सिंबल है, जिस पर हमें गर्व है। कांग्रेस के कार्यकर्ता सम्मेलन में मछली का खाना बना। सम्मेलन में आए लोगों को यह खाना परोसा गया।

राम निहाल बोले- दोनों तरह का खाना बना था

तारुन विकासखंड स्थित अर्पित मैरिज लॉन में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ। यह आयोजन राम निहाल निषाद ने कराया। राम निहाल निषाद भाजपा के कार्यसमिति के अध्यक्ष थे। 23 जून को उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। कांग्रेस में शामिल होने के बाद उनका यह पहला कार्यक्रम था। वह गोसाईगंज विधानसभा सीट से कांग्रेस की ओर से दावेदारी कर रहे हैं। सम्मेलन में भीड़ जुटाकर उन्होंने विधानसभा गोशाईगंज से अपनी दावेदारी पेश की। इसमें प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राम निहाल निषाद ने बताया कि सम्मेलन में दो तरह का खाना बना था। इसमें मछली के अलावा शाकाहारी भोजन भी था। सम्मेलन में मछली खाने का वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस को सनातन विरोधी बताया।

खुलासा : सहारनपुर में प्रेमिका ने रेप में फंसाने की धमकी दी, बदले में मारकर नाले में फेंका

बेटी के लिए प्रेमी से पैसे मांगे तो मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में जंगल में 14 अगस्त को मिली महिला इमराना की हत्या का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में महिला के प्रेमी शमशाद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, शमशाद और इमराना के बीच करीब 7-8 महीने से प्रेम संबंध थे। दोनों के बीच पैसों को लेकर झगड़ा चल रहा था। इमराना के दूसरे युवक केसर से बातचीत करने को लेकर भी शमशाद नाराज था। पुलिस के अनुसार, शमशाद ने इमराना की हत्या की पहले से योजना बना रखी थी। उसने ऐसी जगह चुनी, जहां हत्या के बाद शक केसर पर जा सके। पुलिस ने आरोपी शमशाद को 22 अगस्त को हरौड़ा कट से गिरफ्तार किया। मामला गागलहेड़ी थाना क्षेत्र के नांगल अहीर गांव का है। सके लिए वह उससे पैसे मांग रही थी। पैसे न देने पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप भी शमशाद ने लगाया। इसी बात को लेकर वह परेशान था। पुलिस के अनुसार, शमशाद ने बताया कि इमराना की जान-पहचान केसर नाम के युवक से थी। उसके मुताबिक, पहले इमराना और केसर के बीच प्रेम संबंध थे। शमशाद ने कई बार इमराना से केसर से बातचीत बंद करने को कहा, लेकिन वह उससे लगातार संपर्क में थी।

शमशाद आरोपी प्रेमी

सीसीटीवी फुटेज से पुलिस को मिला सुराग

पुलिस लाइन सभागार में एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि मृतका की पहचान इमराना पत्नी वाजिद निवासी खेड़ा मवी खुर्द के रूप में हुई थी।इसके बाद गागलहेड़ी थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। शुरुआती जांच में बहेड़ी गुर्जर निवासी केसर का नाम सामने आया था। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों के CCTV फुटेज खंगाले। संदिग्धों से पूछताछ की गई। इसी दौरान शमशाद का नाम सामने आया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

7-8 महीने से प्रेम संबंध का दावा

शमशाद के मुताबिक, इमराना भगवानपुर स्थित दवाई कंपनी में नौकरी करती थी और वह कई बार उसे कंपनी छोड़ने और लेने जाता था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि इमराना की बेटी आफरीन की शादी की बात चल रही थी। इसके लिए वह उससे पैसे मांग रही थी। पैसे न देने पर उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप भी शमशाद ने लगाया। इसी बात को लेकर वह परेशान था। पुलिस के अनुसार, शमशाद ने बताया कि इमराना की जान-पहचान केसर नाम के युवक से थी। उसके मुताबिक, पहले इमराना और केसर के बीच प्रेम संबंध थे। शमशाद ने कई बार इमराना से केसर से बातचीत बंद करने को कहा, लेकिन वह उससे लगातार संपर्क में थी।

पूछताछ में शमशाद ने पुलिस को बताया कि वह इमराना के पड़ोस में रहता था। दोनों के मकानों की छत आपस में मिली हुई थी। आरोपी के अनुसार, करीब 7-8 महीने से दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। उसने दोनों के बीच शारीरिक संबंध होने का भी दावा किया।

किसान पथ रिंग रोड पर डंपर ने पिकअप को मारी टक्कर

लखनऊ के बिजनौर थाना क्षेत्र में किसान पथ रिंग रोड पर रविवार तड़के एक तेज रफ्तार डंपर ने आगे चल रही पिकअप को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, पिकअप वाहन (UP35CT8143) को उन्नाव के मगरवारा निवासी शैलेंद्र कुमार गौतम (पुत्र गंगाराम गौतम) चला रहे थे। वह सुल्तानपुर की ओर से किसान पथ रिंग रोड के रास्ते कानपुर जा रहे थे। यह घटना रविवार तड़के करीब 3:30 बजे हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक शैलेंद्र कुमार घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बिजनौर थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

जयंत चौधरी ने पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह सिकरवार को दी श्रद्धांजलि

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी रविवार को मथुरा पहुंचे। उन्होंने पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता राजेंद्र सिंह सिकरवार के आवास पर पहुंचकर उनके निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदना व्यक्त की। जयंत चौधरी ने कहा कि राजेंद्र सिंह सिकरवार पार्टी के समर्पित और अच्छे नेता थे। उन्होंने पार्टी के लिए लंबे समय तक निष्ठा के साथ कार्य किया। उनके निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि यह दुख की घड़ी है। ऐसे समय में राजनीति से जुड़ी किसी भी बात पर चर्चा करना उचित नहीं है। इस दौरान पार्टी के स्थानीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

मथुरा में रो-रोकर नाटक करती रहीं, पकड़ाई तो बोलीं- घर जाना था, इसलिए ऐसा किया

बालिका गृह में दो बच्चियों ने सहेली को डुबोकर मारा

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा के वृंदावन में राजकीय बालिका गृह में लड़कियों ने 14 साल की सहेली को बाथरूम में डुबोकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बालिका गृह से बाहर निकलना चाहती थीं। उन्हें लगा कि किसी की मौत होने पर बालिका गृह बंद हो सकता है और सभी लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा। वारदात के बाद पुलिस पहुंची तो आरोपी लड़कियां रोने का नाटक करने लगीं। हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दूसरी लड़कियों को भी अपने साथ कर लिया। मृत किशोरी को न्याय दिलाने के नाम पर नारेबाजी की।

पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपी लड़कियां करीब डेढ़ महीने से बालिका गृह में रह रही थीं। दोनों अपने बॉयफ्रेंड के साथ घर से भाग गई थीं। पुलिस ने दोनों को बरामद किया। जब परिवार को सुपुर्द करने की बात आई तो परिजन ने उन्हें अपने साथ रखने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों को बालिका गृह भेजा गया। इनमें से एक पर अपने घर में चोरी करने का भी आरोप है।

बालिका गृह प्रशासन बोला- पढ़ाई में अच्छी थी किशोरी

राजकीय बालिका गृह प्रशासन के मुताबिक, मृतक लड़की के जन्म के कुछ समय बाद ही उसके पिता की मौत हो गई थी। मां मानसिक रूप से बीमार थी। बाद में उसकी भी मौत हो गई और लड़की को राजकीय बालिका संरक्षण गृह लाया गया। वह पढ़ाई में अच्छी थी। अच्छे व्यवहार की वजह से संरक्षण गृह प्रशासन ने उसे स्कूल भेजने की अनुमति दी थी। वह संदीपनी मुनि स्कूल में पढ़ रही थी।

- वृंदावन के चैतन्य विहार इलाके में संरक्षण गृह है। इसमें 140 लड़कियां रहती हैं।

लड़कियां बोलीं- संरक्षण गृह में मन नहीं लग रहा था, इसलिए वारदात की

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दोनों आरोपी किशोरियों ने बताया- हमारा संरक्षण गृह में मन नहीं लग रहा था। इसलिए हम यहां से निकलना चाहते थे। इसी दौरान किसी ने हमसे कहा कि अगर यहां किसी की मौत हो जाए तो संरक्षण गृह बंद हो सकता है। यहां रहने वाली लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा। इसके बाद हम दोनों ने हत्या की साजिश रची। शुक्रवार सुबह 11 बजे जैसे ही सहेली बाथरूम में गई, पीछे-पीछे हम भी चले गए। उसका सिर पानी से भरी बाल्टी में डुबो दिया। वह तड़पने लगी। जैसे ही उसके शरीर में हरकत बंद हुई, हम उसे फर्श पर छोड़कर बाहर निकल आए। दोपहर साढ़े 3 बजे दूसरी लड़की बाथरूम में पहुंची तो वारदात का पता चला। इसके बाद बालिका गृह के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी। शुरुआत में पुलिस को यह नेचुरल डेथ (प्राकृतिक मौत) का मामला लगा। क्योंकि, बॉडी पूरी तरह से सूखी हुई थी। शरीर पर चोट के निशान भी नहीं थे।

आगरा-मथुरा हाईवे पर तीन कुंतल गांजा बरामद, ट्रक और कार पकड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आगरा-मथुरा हाईवे पर करीब तीन कुंतल गांजा बरामद किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक और कार को भी कब्जे में लिया है। कार्रवाई रैपुरा जाट के समीप की गई। पुलिस को गांजा तस्करी की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने हाईवे पर चेकिंग शुरू की। रैपुरा जाट के समीप संदिग्ध वाहनों को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान ट्रक से भारी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार बरामद गांजे का वजन करीब तीन कुंतल है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल ट्रक के साथ एक कार को भी कब्जे में लिया है। मामले में संदिग्ध आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। पूछताछ के आधार पर तस्करी के पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बड़ी मात्रा में गांजा पकड़े जाने के बाद नशा तस्करों में खलबली मची हुई है।

फास्ट न्यूज

के पेठे में घुली महंगाई की कड़वाहट, बढ़े दाम

आगरा। आगरा की मशहूर मिठाई पेठे की कीमत बढ़ गई है। पहले कमर्शियल गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों से पेठा कारोबारियों का खर्च बढ़ा और अब चीनी महंगी होने से उन्हें दूसरा झटका लगा है। चीनी के दाम 20 से 25 रुपए किलो बढ़कर करीब 65 रुपए तक पहुंचने के बाद आगरा के पेठे के दाम भी 20 से 25 रुपए किलो तक बढ़ गए हैं। जो पेठा पहले 140 रुपए किलो बिक रहा था।

पिसावां में पूर्व आरपीएफ जवान का निधन

अलीगढ़। पिसावा के रायपुर मीरपुर दहोडा गांव निवासी पूर्व आरपीएफ जवान राजेश चौधरी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के सेंट्रल हॉस्पिटल रेलवे रोड में अंतिम सांस ली। राजेश चौधरी दिल्ली केंद्र में आरपीएफ जवान के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने 40 वर्षों तक सेना में सेवा दी और वर्ष 2000 में सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद वे गांव में रहकर समाज सेवा से जुड़ गए थे। वह अपने चार भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके भाई करमवीर सिंह फौजी ने बताया कि राजेश चौधरी की प्रेरणा से ही सभी भाई सेना में भर्ती हुए थे।

एसएसपी ने किया निरीक्षण

इगलास। एसएसपी ने शनिवार देर शाम इगलास और गोरई थाना क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से पुलिसिंग को लेकर फीडबैक लिया। एसएसपी ने सबसे पहले इगलास कस्बे और थाने में पैदल गश्त की। इसके बाद बेसवा नगर पंचायत और गोरई थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मियों के साथ पैदल मार्च किया।

संरक्षण गृह में 14 वर्षीय बालिका की मौत, दो किशोरियों पर हत्या का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/वृंदावन। राजकीय बालिका संरक्षण गृह में करीब 14 वर्षीय बालिका की मौत से सनसनी फैल गई। मामले में सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर पुलिस का शक संरक्षण गृह में रहने वाली दो 15 वर्षीय किशोरियों पर गहराया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृत बालिका अपने कमरे से जुड़े अटैच्ड बाथरूम में दो अन्य किशोरियों के साथ गई थी। सीसीटीवी फुटेज में तीनों के बाथरूम में जाने और कुछ देर बाद केवल दो किशोरियों के बाहर निकलने की पुष्टि हुई। पूछताछ में दोनों किशोरियों ने घटना के संबंध में जानकारी दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संरक्षण गृह का निरीक्षण किया तथा संबंधित बालिकाओं और अन्य कर्मचारियों से पूछताछ की। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। संस्था प्रमुख की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही मामले की मजिस्ट्रेटी जांच के लिए भी पत्राचार किया गया है। पुलिस के अनुसार मौके से मिले परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर दोनों किशोरियों की भूमिका प्रथमदृष्टया सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस विवेचना के साथ मजिस्ट्रेटी जांच के आधार पर घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

मुरादाबाद मंडल में कांवड़ियों का रेला

काशी में बाबा विश्ननाथ के अब तक 55.69 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

तमसा संकेत, एजेंसी

मुरादाबाद, वाराणसी। सावन के आखिरी सोमवार से एक दिन यूपी की सड़कों पर कांवड़ियों की भीड़ है। रविवार को मुरादाबाद मंडल में कांवड़ियों का रेला उमड़ा हुआ है।। मुरादाबाद से ब्रजघाट तक कांवड़िए ही कांवड़िए हैं। इनके स्वागत के लिए हाईवे के दोनों किनारे कदम-कदम पर शिविर और भंडारे लगाए गए हैं। शिविर में सेवादार कांवड़ियों के हाथ-पैर भी दबा रहे हैं। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मुरादाबाद से ब्रजघाट तक करीब 60km को सोमवार तक जीरो ट्रैफिक कर दिया गया है। वहीं काशी में भी बाबा विश्वनाथ के दर्शन को भक्तों की भीड़ उमड़ी है। करीब 2km लंबी लाइन लगी है। वहीं बाबा विश्वनाथ के 20 दिन में 55.69 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिए हैं।

मुरादाबाद शहर में कांवड़ियों की बढ़ती जा रही भीड़

मुरादाबाद में सावन के अंतिम सोमवार को लेकर शहर में कांवड़ियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। दिल्ली रोड, कांठ रोड समेत प्रमुख मार्गों पर कांवड़ियों के जत्थों की भीड़ से माहौल शिवमय हो गया है। मुरादाबाद से बृजघाट तक करीब 50 किमी तक कांवड़िए ही कांवड़िया हैं। हर तरफ बम भोले और हर हर महादेव का जयघोष है। कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए हाईवे के साथ ही सिटी में भी जीरो ट्रैफिक कर दिया गया है। कदम कदम पर कांवड़ियों के लिए भंडारो का आयोजन किया गया है।

कांवड़ियों के लिए हाईवे किनारे लगाए गए हेल्थ कैंप

मुरादाबाद में कांवड़ियों की सुविधा और स्वास्थ्य को देखते हुए दिल्ली हाईवे पर जगह-जगह हेल्थ कैंप लगाए गए हैं। इन कैंपों में कांवड़ियों को प्राथमिक उपचार और जरूरी स्वास्थ्य सुविधाएं दी जा रही हैं। कांवड़ यात्रा के दौरान मेडिकल टीमों और एंबुलेंस की व्यवस्था भी की गई है।

राजीव गांधी जयंती पर गोवर्धन में लगा निःशुल्क चिकित्सा शिविर

125 मरीजों का उपचार

तमसा संकेत, संवाददाता

गोवर्धन। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर सोमवार को श्री गिर्राज नर्सिंग होम के तत्वावधान में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राजीव शर्मा और डॉ. त्रिवेणी शर्मा ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में कुल 125 मरीजों की जांच की गई। मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं और आवश्यक जांचें भी बिना किसी शुल्क के की गईं। आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को सुलभ एवं निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। इस दौरान नर्सिंग होम का स्टाफ एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

एसएन मेडिकल कॉलेज में कांग्रेस का हंगामा

प्राचार्य से पूछा- उमैर की मौत का जिम्मेदार कौन, कहा-परिवार को मुआवजा मिले

- कांग्रेस कार्यालय से कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज तक पैदल मार्च कर डीन के खिलाफ नारेबाजी की।
- एसएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते कार्यकर्ता।

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज में प्लास्टर की चपेट में आकर 10 साल के बच्चे की मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को इमरजेंसी विभाग के वार्ड में हुई। छत का प्लास्टर भरभराकर गिर गया। वहां भर्ती 10 साल का मासूम उमैर गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए। मेडिकल कॉलेज प्रशासन व डीन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज की बदहाल व्यवस्था और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कॉलेज के प्राचार्य और डीन सिर्फ कमीशन लेने के लिए बैठे हैं।

कार्यकर्ता बोले- पीड़ित परिवार को मुआवजा मिले

कार्यकर्ताओं ने कहा कि करोड़ों का बजट आने के बाद भी अस्पताल की इमारतें जर्जर हैं। छत से प्लास्टर गिरना लापरवाही का सबसे बड़ा सबूत है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस पूरे मामले में दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए और मृतक बच्चे के परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए। काफी देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने कार्यकर्ताओं को समझा-बुझाकर शांत कराया। उन्होंने कहा कि हमने सोचा था कि यहां डॉक्टरों की संख्या अच्छी होगी, लेकिन डॉक्टरों से ज्यादा तो यहां गार्ड लगा रखे हैं, जिनकी तनख्वाह 25 हजार से ज्यादा है। जब भी बिल्डिंग में कोई घटना होती है तो केंद्र और प्रदेश सरकार पर मामले को टाल दिया जाता है।

कार्यकर्ता बोले- डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस कर रहे, अस्पताल की बिल्डिंग जर्जर

कांग्रेस नेता अमित सिंह ने कहा कि कुछ दिन पहले कॉलेज की बिल्डिंग का प्लास्टर गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई, लेकिन उसका पोस्टमार्टम तक नहीं कराया गया। अमित सिंह ने कहा कि इस हॉस्पिटल के आधे से ज्यादा डॉक्टरों के निजी अस्पताल चल रहे हैं। हैरानी की बात है कि प्राचार्य के पास डॉक्टरों की कोई लिस्ट ही नहीं है। कितने डॉक्टर बाहर प्रैक्टिस कर सकते हैं और कितने नहीं, इसका भी कोई हिसाब नहीं है।

पृष्ठ 01 का शेष...

सरकार ने वादे पूरे...

CJP ने कहा कि सरकार ने आश्वासन पूरे करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की अब तक औपचारिक जानकारी नहीं दी है। पार्टी ने कहा कि वादे पूरे कराने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होगा, जिसमें दोबारा शांतिपूर्ण राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करना भी शामिल है। 25 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, जेपी नड्डा ने CJP के साथ जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी।जिसमें आंदोलन खत्म करने और CJP की मांगें मानने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को एक सुनवाई हुई थी। जिसमें कोर्ट ने देशभर में छात्रों और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज FIR की लिस्ट मांगी थी। CJP के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से यह सूची तीन बार देने को कहा था। कोर्ट इन मामलों को रद्द करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने पर विचार कर सकता है। CJP ने कहा कि कोर्ट की ओर से बार-बार सूची मांगे जाने के बावजूद केंद्र सरकार ने इसे देने की प्रतिबद्धता नहीं जताई। पार्टी के सह-संयोजक सौरव दास और कानूनी मामलों की प्रभारी रत्ना सिंह ने सुनवाई के तुरंत बाद इस पर चिंता जताई। दोनों ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि CJP और केंद्र के बीच हुई बातचीत में दिए गए आश्वासनों के आधार पर आंदोलन वापस लेने के बाद सरकार युवा पीढ़ी को धोखा दे रही है। CJP ने बताया कि आश्वासनों में आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर वापस लेना या रद्द करना शामिल था। इसके अलावा, भविष्य में किसी छात्र या शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की गारंटी भी दी गई थी। इनमें उन NEET-UG अभ्यर्थियों के परिवारों को मुआवजा देने का आश्वासन भी शामिल था, जिन्होंने मई में पेपर लीक के कारण परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या कर ली थी। CJP ने कहा कि आंदोलन वापस लेने का फैसला सरकार के शब्दों के आधार पर किया गया था। पार्टी ने चेतावनी दी कि आश्वासनों को कमजोर करने, टालने, नए अर्थ में पेश करने या उनका अपमान करने की कोई कोशिश देश के युवाओं के साथ विश्वासघात मानी जाएगी। CJP ने 25 जुलाई को अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन वापस लिया था। यह फैसला तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और सरकार के उस आश्वासन के तुरंत बाद लिया गया था, जिसमें छात्रों और शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एक्शन नहीं लेने की बात कही गई थी। इस अभियान में NEET पेपर लीक विवाद में कार्रवाई और मृत अभ्यर्थियों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग भी शामिल थी।

'ऑपरेशन सिंदूर' में ...

22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। इसके जवाब में भारत ने 6-7 मई 2025 की रात ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया था। भारत की कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई ठिकानों को निशाना बनाए जाने की जानकारी सामने आई थी। बहावलपुर स्थित मरकज सुभानअल्लाह भी इनमें शामिल था। हमले के बाद सामने आई सैटेलाइट तस्वीरों में परिसर को काफी नुकसान पहुंचने के संकेत मिले थे। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, मरकज सुभानअल्लाह में अब बड़े स्तर पर पुनर्निर्माण का काम पूरा हो चुका है। परिसर में नई मार्बल फ्लोरिंग, ताजा प्लास्टर और पेंट के साथ क्षतिग्रस्त गुंबदों को भी दोबारा बनाए जाने की जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट में इसे जैश-ए-मोहम्मद के बहावलपुर स्थित प्रमुख परिसर के रूप में बताया गया है।

राहुल पहले महिला ...

जहां राहुल ने लड़कियों से कहा था कि उन्हें पितृसत्ता को खत्म करना चाहिए। राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में अपने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं से बातचीत की थी। उन्होंने छात्राओं से "पितृसत्ता को खत्म करने" की अपील की और "मनुस्मृति वाली सोच" पर हमला बोला था। राहुल ने कहा था कि यह सोच महिला को जीवन के हर पड़ाव पर पुरुष रिश्तेदारों के अधिकार में रहने के लिए मजबूर करती है। उन्होंने यह भी कहा था कि महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए समाज में हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है और 80% महिलाएं उत्पीड़न का सामना करती हैं। कांग्रेस ने वंदे मातरम को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने 19 अगस्त को कहा था कि पार्टी 1937 में हुई कांग्रेस बैठक में लिए गए फैसले का पालन करेगी। इसके तहत पार्टी के कार्यक्रमों में वंदे मातरम के केवल दो अंतरे गाए जाएंगे। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि वंदे मातरम और राष्ट्रगान कांग्रेस के लिए भावनात्मक मुद्दे हैं, जबकि भाजपा के लिए ये राजनीतिक मुद्दे हैं। 1950 में संविधान सभा ने वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था। इसमें कुल 6 पैरा हैं। 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम पर कांग्रेसी नेताओं के व्यवहार को लेकर विवाद हो रहा है। भाजपा का आरोप है कि गीत के दौरान सोनिया गांधी, राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष ने गीत रुकवाने की कोशिश की थी। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। लंबे समय तक इसके अपमान पर कोई अलग कानून नहीं था, लेकिन 2026 के मानसून सत्र में केंद्र सरकार ने 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम' बनाया। इस कानून के तहत 'वंदे मातरम' के गायन को जानबूझकर रोकने, इसमें बाधा डालने या इसका सार्वजनिक अपमान करने को दंडनीय अपराध माना गया है। ऐसा करने पर 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है।

यूपी की रसोइयों को ...

यूपी के 3.53 लाख रसोइयों को इसका लाभ मिलेगा। योगी ने कहा- पहले हादसा होने पर रसोइयों के परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता था। अब बेसिक शिक्षा परिषद ने स्टेट बैंक के साथ मिलकर खाते खुलवाए हैं। हादसा होने पर बैंक की ओर से 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिवार के 5 सांसद हैं। इसलिए सपा नहीं टूटी। योगी ने कहा- अखिलेश यादव कहते हैं कि परिवार के 5 सांसद हैं, तभी सपा बची है। इन लोगों ने प्रदेश को लूटकर गुंडा प्रदेश बना दिया था। जमीनों पर कब्जे होते थे। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगती थी। अब कोई बेटियों को छेड़ नहीं सकता। वरना उसकी यमराज से मुलाकात हो जाएगी। आप जिन विद्यालय में काम करती हैं, वहां रसोई साफ-सुथरी रखें। पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध कराएं। यही बच्चे देश और प्रदेश का भविष्य हैं। रसोई में अनधिकृत लोगों का प्रवेश भी रोकना जरूरी है, क्योंकि इससे सुरक्षा के साथ भी खिलवाड़ हो सकता है। जिन लोगों के बारे में पहले किसी ने नहीं सोचा, उन्हें सरकार अलग-अलग योजनाओं से लाभ दे रही हैं।

महाराष्ट्र पहाड़ हादसे ...

इसमें उन्होंने कहा था- जो व्यक्ति प्यार को महत्व नहीं देता, उसके लिए कुछ भी करने का कोई मतलब नहीं है। मराठी भाषा में बनाए एक मिनट के वीडियो में संगीता ने कहा था- अपना भाग्य उसी व्यक्ति को सौंपने के लिए तैयार रहें, जो आपके प्रेम का सम्मान करता हो। यदि कोई व्यक्ति आपका सम्मान नहीं करता, आपके प्रेम का सम्मान नहीं करता, या आपके द्वारा उनके लिए किए गए कार्यों का सम्मान नहीं करता, तो ऐसे व्यक्ति के लिए कुछ भी करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा- एक चपाती तभी स्वादिष्ट लगती है जब वह दोनों तरफ से पक जाए। रिश्तों के मामले में भी यही बात लागू होती है। अगर दोनों तरफ से अच्छा व्यवहार हो, दोनों ही रिश्ते को महत्व देते हों, तो ऐसे रिश्ते में बने रहें। अगर एक व्यक्ति रिश्ते को महत्व देता है और दूसरा नहीं, तो ऐसे रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। ऐसे रिश्ते से बाहर निकल जाना हमेशा बेहतर होता है। संगीता के यूट्यूब पर 29,000 से अधिक फॉलोअर्स थे।

भारत के लिए 4 मुकाबले खेले ■ 25 अगस्त को यूपी लीग में आखिरी मैच खेलेंगे

कर्ण ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया

ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

38 साल के लेग स्पिनर कर्ण शर्मा ने इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। उन्होंने भारत के लिए 1 टेस्ट, 2 वनडे और 1 टी-20 मैच खेला।

कर्ण ने यूपी टी-20 लीग में कानपुर सुपरस्टार्स की ओर से खेलने के बाद यह फैसला लिया। वह 25 अगस्त को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में मेरठ मेवरिक्स के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेलेंगे। कर्ण ने 2007-08 सीजन में फर्स्ट क्लास, लिस्ट-A और टी-20 क्रिकेट में डेब्यू किया था। अपने पहले रणजी ट्रॉफी मैच में ही उन्होंने शतक लगाया। 2012-13 सीजन में तीन रणजी मैचों में 21 विकेट लेने के बाद उन्हें BCCI का बेस्ट अंडर-25 क्रिकेटर अवॉर्ड मिला।

2014 में तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल डेब्यू

मेरठ के कर्ण ने 2014 में तीनों फॉर्मेट में भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में अपना इकलौता टेस्ट खेला। इस मैच की दोनों पारियों में उन्होंने 2-2 विकेट लिए। इंग्लैंड के खिलाफ बर्मिंघम में उन्होंने एकमात्र टी-20 इंटरनेशनल खेला और जो रूट को आउट किया। 2104 में ही श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने दोनों वनडे खेले।

इसके बाद कर्ण को 2015 में जिम्बाब्वे दौरे के लिए भी चुना गया था, लेकिन चोट के कारण वह टीम से बाहर हो गए। इसके बाद उन्हें दोबारा भारत के लिए खेलने का मौका नहीं मिला।

उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रेलवे, आंध्र और विदर्भ को रिप्रेजेंट किया। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कर्ण ने 97 मैचों में 270 विकेट लिए। लिस्ट-A के 123 मैचों में 153 विकेट और 191 टी-20 मैचों में 168 विकेट उनके नाम हैं।

कर्ण शर्मा IPL में भी खास रिकॉर्ड बना चुके हैं। वह लगातार तीन सीजन में तीन अलग-अलग टीमों के साथ IPL खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने। उन्होंने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद, 2017 में मुंबई इंडियंस और 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ ट्रॉफी जीती।

2021 में उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ अपना चौथा IPL खिताब भी जीता। उनका आखिरी IPL मैच 2025 में मुंबई इंडियंस के लिए था।

2014 IPL ऑक्शन में सनराइजर्स हैदराबाद ने कर्ण को 3.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। उस समय वह IPL ऑक्शन में सबसे महंगे अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ी बने थे।

■ कर्ण शर्मा ने चेन्नई सुपर किंग्स के साथ चौथा IPL खिताब जीता।

ईस्ट जोन के उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी 8 रन बनाकर आउट

आज से दलीप ट्रॉफी 2026 का आगाज

पटना, एजेंसी

भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2026 का आगाज आज से हो रहा है। यह टूर्नामेंट का 63वां सीजन है। इसमें 15 साल के वैभव सूर्यवंशी भी खेलते नजर आए।

वैभव को दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट ज़ोन का उप-कप्तान बनाया गया है। वहीं, ईशान किशन इस सीरीज की कप्तानी कर रहे हैं।

टूर्नामेंट के पहले क्वार्टर फाइनल में आज ईस्ट जोन का सामना नॉर्थ ईस्ट जोन से होगा। यह मुकाबला 9:30 बजे से बेंगलुरु के BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड 2 में खेला जा रहा है।

उप-कप्तान वैभव सूर्यवंशी 8 रन बनाकर आउट हो गए हैं। उन्होंने 6 बॉल में दो चौके लगाए हैं। उन्हें नॉर्थ ईस्ट जोन के उपकप्तान बिश्वोरजीत कोंथौजाम ने कैच आउट करवाया। जोसेफ लालथानखुमा ने उनका कैच पकड़ा था।

IPL और T20I क्रिकेट में पहचान बना चुके वैभव को रेड-बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का यह एक मौका है। उन्होंने IPL 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। इसके बाद उन्हें भारत की टी-20 टीम में जगह मिली।

इस टीम में बिहार से मुकेश कुमार और अनुकूल रॉय भी हैं। वहीं, आयुष लोहारूका को स्टैंडबाय खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, अभिमन्यु ईश्वरन और शाहबाज अहमद जैसे खिलाड़ी भी हैं।

मैच के दौरान पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की हुई मौत

मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम, इंग्लैंड में भी खेल चुके थे

नई दिल्ली, एजेंसी

पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे।

इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई। कास्त्रो के निधन पर रियल स्पोर्ट क्लब ने शोक जताया। क्लब ने उन्हें अपने खेल परिवार का अभिन्न हिस्सा बताया और कहा कि उनके साथ जुड़े लोगों के दिल में उनकी याद हमेशा रहेगी। एस्ट्रेला दा अमाडोरा ने भी इस घटना पर दुख जताया। दोनों क्लबों ने मैच स्थगित किए जाने के बाद कास्त्रो को श्रद्धांजलि दी। कास्त्रो के पूर्व इंग्लिश क्लब वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। क्लब ने घोषणा की है कि रविवार को बर्नले के खिलाफ होने वाले मैच के 25वें मिनट में कास्त्रो की याद में तालियां बजाई जाएंगी। खिलाड़ी इस मैच में काली पट्टी भी बांधकर उतरेंगे। कास्त्रो 25 साल के थे। वेस्ट ब्रोम ने कास्त्रो के निधन को बेहद दुखद बताते हुए उनके परिवार और करीबियों के प्रति संवेदना जताई है।

क्यूविन कास्त्रो 2021 में वेस्ट ब्रोम की अकादमी से जुड़े थे। उन्होंने उसी साल आर्सेनल के खिलाफ लीग कप मैच में क्लब की सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था।

मैकॉय में पारी और 51 रन से जीता, स्टार्क ने 10 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को दूसरा टेस्ट दो दिन में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने मैकॉय में खेले गए दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश को पारी और 51 रन से हरा दिया। इसके साथ ही दो टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। डार्विन में पहला टेस्ट 9 विकेट से हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मुकाबले में शानदार वापसी की। यह टेस्ट दो दिन में ही खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया की जीत के हीरो मिचेल स्टार्क रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। स्टार्क ने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए। यह उनके टेस्ट करियर का चौथा 10 विकेट हॉल है। स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज चुना गया।

बांग्लादेश पहली पारी में सिर्फ 64 रन पर ऑलआउट हो गया था। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 210 रन बनाए। उसे 146 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में भी बांग्लादेश की टीम 95 रन पर सिमट गई।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन 165/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। कैमरन ग्रीन 51 रन बनाकर नाबाद थे और नाथन लायन 10 रन पर खेल रहे थे।

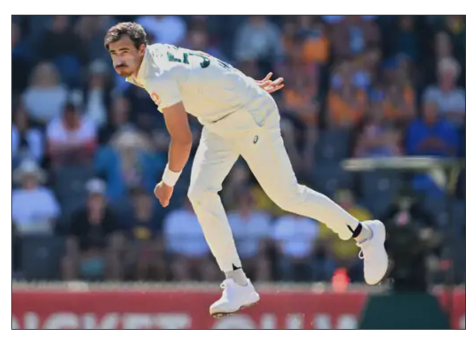

■ मिचेल स्टार्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के पहले दिन दोनों टीमों के 18 विकेट गिरे थे। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। स्टार्क ने मैच की पहली ही गेंद पर शादमान इस्लाम को आउट कर दिया था।

स्टार्क ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए

146 रन की बढ़त के बाद बांग्लादेश के सामने मैच बचाने की चुनौती थी। लेकिन स्टार्क ने नई गेंद से एक बार फिर लगातार विकेट लिए। उन्होंने शादमान इस्लाम और मोमिनुल हक को लगातार गेंदों पर आउट किया। इसके बाद पैट कमिंस ने तंजीद हसन को आउट किया।

कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 31 रन बनाए। उन्होंने कुछ अच्छे शॉट लगाकर ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों का सामना किया। लेकिन नाथन लायन ने उन्हें आउट कर दिया। इसके बाद बांग्लादेश की पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। स्टार्क ने लिटन दास और तैजुल इस्लाम के विकेट लेकर अपना 10 विकेट का आंकड़ा पूरा किया। पैट कमिंस और नाथन लायन ने भी 3-3 विकेट लिए।

मनोरंजन

फिल्म 'टॉक्सिक' के इवेंट में बड़ा हादसा

भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल, एक लड़की बेहोश, मंच पर मौजूद थे यश

नई दिल्ली। यश की फिल्म 'टॉक्सिक' के प्री-रिलीज इवेंट में शनिवार को हैदराबाद की मल्ला रेड्डी यूनिवर्सिटी में हादसा हो गया। भारी साउंड-बॉक्स सेटअप गिरने से दो छात्र घायल हो गए, जबकि एक लड़की बेहोश हो गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे।

आज तक की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग साउंड बॉक्स को सहारा देने वाले पोल पर चढ़ गए थे। इसी दौरान भारी सेटअप अचानक नीचे गिर गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि कई छात्र स्टेज के पास पहुंच गए थे और स्पीकर व अन्य सामान को सहारा देने वाले ढांचों पर चढ़ गए थे। घटना के बाद बड़े फिल्मी कार्यक्रमों में भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा इंतजामों को लेकर सवाल उठे हैं। गौरतलब है कि हैदराबाद में पहले भी फिल्मी इवेंट में सुरक्षा को लेकर गंभीर हादसा हो चुका है। दिसंबर 2024 में 'पुष्पा 2' के प्रीमियर के दौरान भगदड़ में एक महिला की मौत हो गई थी। उनके बेटे की हालत भी गंभीर हुई थी। पुलिस ने थिएटर मैनेजमेंट पर सुरक्षा में लापरवाही के आरोप लगाए थे।

ऐसे में सवाल है कि बड़े स्टार्स के कार्यक्रमों में भीड़ को संभालने और खतरनाक जगहों पर लोगों को जाने से रोकने के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं होते? क्या मेकर्स और आयोजकों को पुराने हादसों से सबक नहीं लेना चाहिए?

इवेंट में बड़ी संख्या में जुटी भीड़

हादसे के समय यश मंच पर मौजूद थे और फिल्म टॉक्सिक के जश्न में शामिल लोगों को संबोधित कर रहे थे। हादसे का पता चलते ही उन्होंने अपनी स्पीच बीच में रोक दी और आयोजकों से छात्रों की स्थिति के बारे में पूछा। मंच से यश ने कहा, 'अरे, संभलकर। क्या वहां सब ठीक है? सर, कृपया जांच कीजिए। कृपया छात्रों, आप लोग ध्यान रखें।'

हादसे में घायल छात्रों को तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इवेंट के वीडियो भी सामने आए हैं, जिसमें बड़ी संख्या में लोग नजर आ रहे हैं और कुछ लोग घायल छात्रों को एम्बुलेंस की ओर ले जाते दिख रहे हैं।

धुरंधर की कामयाबी पर भावुक हुए रणवीर सिंह

मुश्किल दौर याद कर हुए इमोशनल

नई दिल्ली। 'धुरंधर' की जबरदस्त कामयाबी ने रणवीर सिंह को भावुक कर दिया है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह फिल्म को मिले प्यार और सपोर्ट की बात करते हुए भावुक नजर आए। रणवीर ने खास तौर पर अंबानी परिवार और जियो स्टूडियोज का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने फिल्म पर भरोसा जताया।

अपने करियर के इस खास पड़ाव पर रणवीर ने उस समर्थन और प्रोत्साहन को याद किया, जो उन्हें फिल्म के सफर में मिला। वीडियो में उनके चेहरे पर भावुकता साफ नजर आती है। उनके लिए 'धुरंधर' की सफलता सिर्फ बॉक्स ऑफिस की जीत नहीं, बल्कि भरोसे और साथ की जीत भी है।

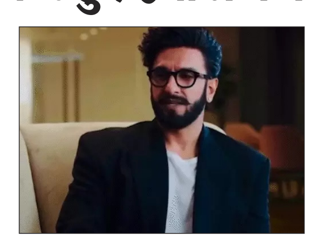

रणवीर सिंह ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए 'धुरंधर' को मिले प्यार पर प्रतिक्रिया दी है। वीडियो में वह फिल्म के सफर और उसे मिले समर्थन की बात करते हुए भावुक दिखाई देते हैं।

रणवीर ने फिल्म को मिले प्यार, समर्थन और प्रोत्साहन के लिए अंबानी परिवार का खास तौर पर आभार जताया।

फूले पेट की तस्वीर शेयर की, पैपराजी से बोलीं- 'तुम लोग पागल कर देते हो'

करीना कपूर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर रिएक्शन दिया

नई दिल्ली। करीना कपूर खान ने अपनी प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर मजाकिया अंदाज में जवाब दिया।

करीना ने शनिवार को इंस्टाग्राम स्टोरी पर मेकअप आर्टिस्ट मितेश राजानी की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो अपना फूला हुआ पेट दिखा रहे हैं। पोस्ट के बैकग्राउंड में फिल्म 'हम आपके हैं कौन..!' का गाना 'चॉकलेट लाइम जूस' चल रहा था और इसके साथ हंसने वाले और पिज्जा वाले इमोजी लगाए गए थे। इस पोस्ट से ऐसा लगा कि कुछ लोगों ने जिसे बेबी बंप समझा था, वह असल में 'फूड बेबी' यानी खाने की वजह से निकला पेट हो सकता है। पोस्ट के साथ 'हट ना बे' कैप्शन भी लिखा था।

एक जगह टीम का एक सदस्य करीना के सामने छाता कर देता है, जिससे पैपराजी उन्हें ठीक से नहीं देख पाते। वीडियो में उनका लुक और कैमरों से बचाने की कोशिश देखकर सोशल मीडिया पर उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा शुरू हुई। करीना का वीडियो सामने आने के बाद कई फैंस ने कमेंट सेक्शन में सवाल किए। एक व्यक्ति ने लिखा, "एक पल के लिए मुझे लगा कि यह उनका तीसरा बच्चा है।" दूसरे ने पूछा, "क्या वह प्रेग्नेंट हैं?" एक और कमेंट में लिखा गया, "लगता है बेबी बंप है यार।" वहीं, सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की अफवाहें फैलने के बाद करीना की टीम ने इंडियन एक्सप्रेस के साथ बातचीत में कहा था कि करीना प्रेग्नेंट नहीं हैं। बता दें कि करीना कपूर खान और सैफ अली खान पहले से दो बेटों के माता-पिता हैं। उनके बेटे तैमूर 9 साल के और जेह अली खान 5 साल के हैं।

वहीं, शनिवार को करीना की ननद सबा अली खान पटौदी ने इंस्टाग्राम पर करीना कपूर की तस्वीर शेयर कर लिखा, "कोई खराब एंगल या बालों का दिन खराब हो सकता है, लेकिन लोग तुरंत इतनी बड़ी बात कैसे मान सकते हैं? वह एयरपोर्ट से बिल्कुल स्टाइलिश, क्लासी और स्लिम नजर आ रही थीं और आज जिम से बाहर निकली हैं।

अफवाहों के बाद पहली बार मुंबई में दिखीं

प्रेग्नेंसी की अटकलें शुरू होने के बाद करीना शनिवार को पहली बार मुंबई में बाहर निकलीं। वह पीली शर्ट और काली पैंट में एक जगह से बाहर आती दिखीं। पैपराजी ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान करीना को मजाकिया अंदाज में कहते सुना गया, "पागल कर देते हो तुम लोग।"

दरअसल, करीना की प्रेग्नेंसी की अफवाहें शुक्रवार को शुरू हुई थीं, जब करीना का मुंबई के एक जिम से बाहर निकलते हुए वीडियो सामने आया था। वीडियो में करीना कपूर अपनी कार की ओर जाती दिखीं। उनके साथ उनकी टीम के कुछ सदस्य भी चल रहे थे।

तापसी पन्नू के बयान पर कंगना रनोट भड़कीं

बोलीं- बी-ग्रेड फिल्म के लिए 'सस्ती कॉपी' ने सारी हदें पार कर दीं

नई दिल्ली। तापसी पन्नू के कंगना रनोट से मतभेदों पर दिए बयान के बाद कंगना ने प्रतिक्रिया दी। तापसी ने कहा था कि वह विवाद से पहले या बाद में कभी कंगना से नहीं मिलीं। जिसके बाद कंगना ने तापसी पर उनकी परवरिश और माता-पिता का मजाक उड़ाने का आरोप लगाते हुए उन्हें सस्ती कॉपी कहा।

दरअसल, हाल ही में इंडिया टुडे से बातचीत में तापसी से पूछा गया कि क्या उन्होंने और कंगना ने अपने मतभेद सुलझा लिए हैं। तापसी ने कहा कि वह कंगना से कभी नहीं मिलीं और कथित विवाद शुरू होने से पहले भी उनकी मुलाकात नहीं हुई थी।

तापसी ने आगे कहा कि मेरी उनके बारे में राय मेरी परवरिश, मेरे बात करने के तरीके और चीजों को देखने के नजरिए को दिखाती है। वह अपने नजरिए पर कायम हैं। तापसी के इस बयान के सामने आने के बाद कंगना ने शनिवार शाम बिना नाम लिए एक पोस्ट शेयर की। उन्होंने लिखा, 'एक सस्ती कॉपी अपनी आने वाली B-ग्रेड फिल्म को लेकर भी हमेशा की तरह मीडिया में सिर्फ हेडलाइन बनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन आज उन्होंने सारी हदें पार कर दीं। उन्होंने मेरी परवरिश और मेरे माता-पिता का बेहद बेशर्मी से मजाक उड़ाया।'

बंद घर से रिटायर्ड शिक्षक, पत्नी और बच्चों के शव मिले ■ पुलिस जांच में जुटी

बांग्लादेश-हिंदू परिवार के चार लोगों की संदिग्ध हालात में मौत

जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश के रंगपुर शहर में एक हिंदू परिवार के चार लोग संदिग्ध हालात में मृत मिले हैं। इनमें रिटायर्ड स्कूल शिक्षक, उनकी पत्नी, बेटी और बेटा शामिल हैं।

चारों के शव शनिवार रात एक बंद घर से मिले। पुलिस, CID और डिटेक्टिव ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान गणपति चक्रवर्ती (65), पत्नी प्रीतिलता चक्रवर्ती (50), बेटी आगमी चक्रवर्ती प्रार्थी (23) और बेटे प्रियम चक्रवर्ती (12) के रूप में हुई है। गणपति रंगपुर जिला स्कूल में शिक्षक थे और पिछले साल 31 दिसंबर को रिटायर हुए थे। रिटायरमेंट के बाद वे होम्योपैथी का काम भी कर रहे थे। रंगपुर मेट्रोपॉलिटन कोतवाली थाने के प्रभारी अधिकारी नजमुल कादेर के मुताबिक, पुलिस के साथ CID और डिटेक्टिव ब्रांच भी मामले की जांच कर रही हैं। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चारों की मौत कब और कैसे हुई और इसके पीछे क्या वजह थी। मौत का सही कारण और घटना का पूरा क्रम अभी सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

■ रिटायर्ड शिक्षक गणपति और उनके परिवार के शव बंद घर से बरामद हुए हैं।

गणपति की बेटी आगमी ने इसी साल अंग्रेजी में मास्टर्स की डिग्री पूरी की थी। उनका 12 साल का बेटा प्रियम 5वीं कक्षा में पढ़ता था।

चारों के शव घर में अलग-अलग जगह मिले

रंगपुर मेट्रोपॉलिटन CID के अधिकारी सुबीर चौधरी के मुताबिक, गणपति का शव छत पर, उनकी पत्नी और बेटी के शव सीढ़ियों के पास मिले। वहीं 12 साल के बेटे प्रियम का शव बिस्तर के नीचे मिला। परिजनों ने बताया कि उन्हें नहीं पता कि परिवार को किसने और क्यों निशाना बनाया। गणपति की भतीजी सोमा चक्रवर्ती ने कहा कि उनके चाचा का किसी से विवाद या दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने दासपाड़ा में नया घर बनाया था और वहीं रह रहा था।

■ परिवार के चारों सदस्यों की मौत के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

गुरुवार से परिवार से संपर्क नहीं हुआ, फोन बंद थे

परिजनों के मुताबिक, प्रीतिलता की छोटी बहन पूजा चक्रवर्ती ने उनसे गुरुवार दोपहर आखिरी बार बात की थी। इसके बाद गुरुवार रात से परिवार के चारों मोबाइल फोन बंद हो गए।

शनिवार रात परिजन रंगपुर के दासपाड़ा इलाके में उनके घर पहुंचे। घर का मुख्य गेट बंद था और अंदर की सभी लाइटें भी बंद थीं।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और चारों के शव बरामद किए।

ट्रक पर टैरिफ में राहत की मांग पर अड़ा कनाडा

अमेरिका के साथ ट्रेड डील अटकी

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और कनाडा के बीच जारी व्यापार वार्ता शुक्रवार को अचानक रोक दी गई। इस असफलता का मुख्य कारण कनाडा के मध्यम और भारी वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ घटाने को लेकर अंतिम समय में पैदा हुआ गतिरोध रहा। अमेरिका और कनाडा ऐसे सौदे की रूपरेखा पर काम कर रहे थे, जिसके तहत ऑटो, स्टील, एल्युमीनियम और लकड़ी पर अमेरिकी क्षेत्रीय शुल्क कम किए जाने थे। हालांकि, प्राइवेट वार्ताओं से जुड़े सूत्रों के अनुसार, बड़े वाहनों के कैटेगरी को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए।

शुक्रवार देर रात फोन पर हुई बातचीत में कनाडाई पक्ष ने भारी वाहनों के लिए अतिरिक्त राहत पर जोर दिया, जिससे अमेरिकी पक्ष ने इनकार कर दिया।

प्रस्तावित सौदे के तहत सामान्य ऑटो टैरिफ को मौजूदा 25% से घटाकर 15% किया जाना था। कनाडा चाहता था कि यह छूट मध्यम और भारी वाहनों तक भी बढ़ाई जाए, जिनमें बड़े पिकअप ट्रक से लेकर कमर्शियल वाहन शामिल हैं। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि ट्रकों को राहत से बाहर रखना एक बड़ा बदलाव है। इसके बिना ओंटारियो में फोर्ड का नया संयंत्र, जो F-350 और बड़े पिकअप ट्रकों का निर्माण करता है, बिना किसी तार्किक कारण के छूट से बाहर हो जाता।

फास्ट न्यूज

अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और बाल विवाह

वॉशिंगटन। पाकिस्तान के पहले कैथोलिक संघीय अल्पसंख्यक मंत्री और धार्मिक स्वतंत्रता के बड़े समर्थक शाहबाज भट्टी की हत्या के 15 साल बाद भी ईसाई, हिंदू और अहमदी जैसे अल्पसंख्यक समुदायों को देश भर में भेदभाव और पूजा स्थलों पर हमलों का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इन अत्याचारों में अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और बाल विवाह के साथ-साथ देश के ईशनिंदा कानूनों का गलत इस्तेमाल भी शामिल है।

नेपाल में तीन साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या

काठमांडू। नेपाल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर लोग भड़क उठे हैं। उन्होंने लगातार चौथे दिन सिमारा के बिरगंज-पथलैया रोड सेक्शन को जाम कर दिया।

बच्ची मधेस प्रांत के भक्तिनगर की रहने वाली थी। वह 18 अगस्त को घर के पास मृत पाई गई। तीन दिन पहले लापता हो गई थी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बच्ची के लिए न्याय की मांग करते हुए सिमारा के बीरगंज-पथलैया सेक्शन में धरना दिया।

पुलिस को शक है कि दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या की गई।

नेपाल में तीन साल की मासूम की दुष्कर्म के बाद हत्या

काठमांडू। नेपाल में तीन साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले को लेकर लोग भड़क उठे हैं। उन्होंने लगातार चौथे दिन सिमारा के बिरगंज-पथलैया रोड सेक्शन को जाम कर दिया। बच्ची मधेस प्रांत के भक्तिनगर की रहने वाली थी। वह 18 अगस्त को घर के पास मृत पाई गई। तीन दिन पहले लापता हो गई थी। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने बच्ची के लिए न्याय की मांग करते हुए सिमारा के बीरगंज-पथलैया सेक्शन में धरना दिया।

अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी की हत्या

19 साल की बेटी के सामने लुटेरे ने पिता को गोली मारी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में भारतीय मूल के कारोबारी सुरेश पटेल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना 20 अगस्त को टेनेसी राज्य के जैक्सनविले शहर में हुई।

फायरिंग के समय सुरेश पटेल की 19 साल की बेटी भी दुकान में मौजूद थी। उसने अपनी आंखों के सामने यह वारदात देखी। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, एक नकाबपोश बदमाश पैसे लूटने के इरादे से दुकान में घुसा था। कैश लेने के बाद उसने सुरेश पटेल पर फायरिंग कर दी। गोलीबारी के दौरान दुकान का एक कर्मचारी भी घायल हुआ था। सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले के आखज गांव के रहने वाले थे। वे लगभग 30 साल से अमेरिका में रह रहे थे।

स्थानीय मीडिया के मुताबिक, सुरेश पटेल ने घटना से सिर्फ 3 दिन पहले ही यह दुकान खरीदी थी।

वहां मौजूद लोगों के मुताबिक, एक नकाबपोश व्यक्ति दुकान में घुसा और कर्मचारियों से कैश की मांग की। पैसे मिलने के बाद उसने कई राउंड फायरिंग की।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने ग्रे रंग की हुडी, जींस और काले बूट पहन रखे थे। उसके चेहरे पर मास्क था। वारदात के बाद वह सफेद रंग की कार में बैठकर फरार हो गया।

पुलिस को इस घटना से जुड़ा CCTV फुटेज मिला है। पुलिस ने लोगों से आरोपी के बारे में जानकारी देने की अपील भी की है।

13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव ■ पेरिस से 30 किमी दूर बना

फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में

फ्रांस, एजेंसी

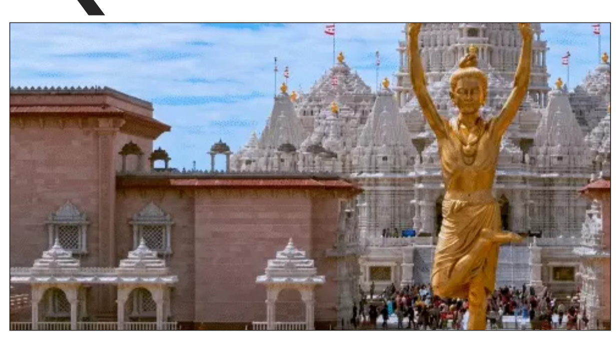

फ्रांस में पेरिस से करीब 30 किमी दूर बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने BAPS स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर 2026 में उद्घाटन होगा। इसे फ्रांस का पहला बड़ा हिंदू मंदिर बताया जा रहा है। उद्घाटन के साथ 2 से 14 सितंबर तक 13 दिन का 'फेस्टिवल ऑफ कल्चर' आयोजित होगा। इसमें हिंदू परंपराओं, भारतीय कला, संगीत और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का मौका मिलेगा।

मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होगा। यहां सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन और उत्सव में भारतीय मूल के लोगों के साथ हिंदू समुदाय और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

BAPS पेरिस की वेबसाइट के मुताबिक, फ्रांस में हिंदू मंदिर बनाने का आइडिया 1970 में आया था। इसके करीब 25 साल बाद, 1995 में पेरिस में मंदिर बनाने की योजना पर काम आगे बढ़ा। 2017 में बुसी-सेंट-जॉर्जेस में मंदिर के लिए जमीन मिली। इसके बाद 2021 में निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी। करीब 56 साल बाद अब 2026 में मंदिर बनकर तैयार है।

भारत में तराशे गए पत्थरों से बना मंदिर

पेरिस के पास बने BAPS स्वामीनारायण मंदिर में भारत से लाए गए खास पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। इन्हें भारत में करीब 1,000 साल पुरानी नक्काशी की तकनीकों से तैयार किया गया है। कई हिस्सों पर कारीगरों ने हाथ से बारीक नक्काशी की है।

भारत में तैयार किए गए इन पत्थरों को फ्रांस लाकर मंदिर में लगाया गया। इस काम में भारतीय कारीगरों के साथ फ्रांस के विशेषज्ञ भी शामिल रहे। इनमें नोट्रे-डाम कैथेड्रल की मरम्मत से जुड़े कारीगर भी थे। इस तरह मंदिर में भारतीय शिल्पकला और फ्रांस की आधुनिक निर्माण तकनीक का मेल देखने को मिलता है। मंदिर की संरचना में गुंबद, स्तंभ और शिखर जैसी पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शामिल है।

बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था यानी BAPS स्वामीनारायण परंपरा से जुड़ी एक वैश्विक हिंदू संस्था है।

उसने बातचीत में धोखा दिया, ट्रम्प ने एक बार फिर होर्मुज को अमेरिकी इलाका बताया

होर्मुज तभी खुलेगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा : ईरान

तेहरान, एजेंसी

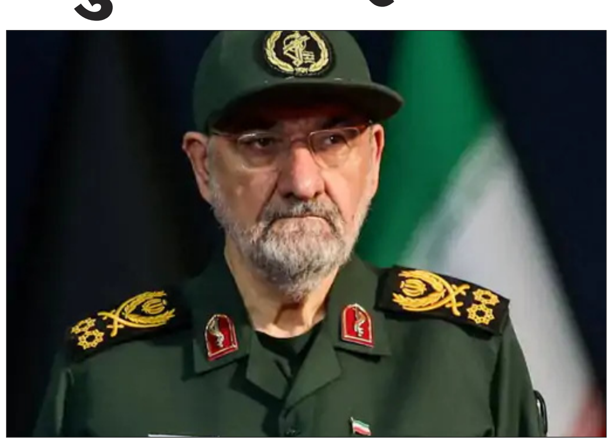

■ तस्वीर ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई की है।

ईरान ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट तभी खोला जाएगा, जब अमेरिका अपना रवैया सुधारेगा और किए गए वादे पूरे करेगा। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चीफ मोहसिन रेजाई ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने बातचीत में धोखा दिया है।

रेजाई ने कहा कि अमेरिका पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करे, उसके बाद ही होर्मुज खोलने पर बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अमेरिकी आर्थिक दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने फिर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें होर्मुज स्ट्रेट को 'न्यू यूएस टेरिटरी' यानी नया अमेरिकी इलाका बताया गया है। ट्रम्प इससे पहले 18 अगस्त को भी होर्मुज को अमेरिकी क्षेत्र घोषित करने की बात कह चुके हैं। ईरान ने ट्रम्प के इस दावे को खारिज किया है। होर्मुज स्ट्रेट का उत्तरी हिस्सा ईरान के पास है, जबकि दक्षिणी हिस्सा ओमान के मुसंदम क्षेत्र से लगता है। फारस की खाड़ी से निकलने वाले जहाज इसी रास्ते से अरब सागर और फिर हिंद महासागर की ओर जाते हैं। इसी वजह से होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ एक देश का नहीं, बल्कि कई देशों के लिए अहम समुद्री मार्ग है। अमेरिका यहां अपने युद्धपोत और नौसैनिक बल तैनात रखता है ताकि समुद्री व्यापार और अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। खाड़ी देशों से दुनिया को भेजे जाने वाले करीब 20% कच्चे तेल और बड़ी मात्रा में प्राकृतिक गैस की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट से होती है।

रेजाई बोले- ट्रम्प के हमले से परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ सकती है

रेजाई ने कहा कि ट्रम्प के ईरान पर हमले से दुनिया में परमाणु हथियारों को लेकर डर और बढ़ गया है। उनका कहना है कि अब दूसरे देशों को भी लग सकता है कि बिना परमाणु हथियार के वे सुरक्षित नहीं हैं। रेजाई ने कहा कि ईरान परमाणु अप्रसार संधि (NPT) का सदस्य है और अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक अपने परमाणु कार्यक्रम की जांच भी कराता रहा है। इसके बावजूद अमेरिका ने उस पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया के दूसरे देशों में परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा बढ़ सकती है। रेजाई के मुताबिक, अमेरिका की कार्रवाई ने परमाणु सुरक्षा मजबूत करने के बजाय उल्टा खतरा बढ़ा दिया है।

> **अमेरिका और इजराइल के साथ तनाव के बीच हुए समझौते में ईरान ने एक भी शर्त नहीं छोड़ी है। उनके मुताबिक, ईरान की सुरक्षा परिषद में सभी पक्षों ने इस समझौते को सही रास्ता माना था।**

एआई भारत में नौकरियां छीनने से ज्यादा दे रहा

नोमुरा रिपोर्ट में दावा- सीनियर कर्मचारियों की डिमांड बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

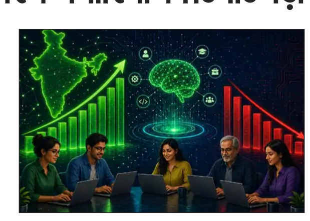

भारत में AI नौकरियां खत्म करने की तुलना में नए रोजगार के ज्यादा अवसर पैदा कर रहा है। हालांकि, तकनीकी बदलाव की वजह से नौकरी की शुरुआत करने वाले फ्रेशर्स और युवाओं को एंट्री-लेवल पर कड़े मुकाबले और दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह दावा नोमुरा ने हाल ही में पब्लिश एक रिपोर्ट में किया है।

AI के कारण सबसे ज्यादा नुकसान फ्रेशर्स को हो रहा है, क्योंकि एंट्री-लेवल की नौकरियां तेजी से कम हो रही हैं।

भारत की 651 आईटी कंपनियों के सर्वे में सामने आया है कि 55% कंपनियों ने फ्रेशर्स की भर्तियां घटा दी हैं। इसके मुकाबले सीनियर पदों पर सिर्फ 14% कंपनियों ने ही हायरिंग कम की है।

नोमुरा ने बाजार में आ रहे बदलाव को K-शेप्ड स्प्लिट का नाम दिया है। यानी रोजगार के लिए बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। एक तरफ फ्रेशर्स की मांग लगातार गिर रही है, तो दूसरी तरफ अनुभवी सीनियर लोगों की पूछ बढ़ गई है। कंपनियों को अब मैनेजमेंट और बिजनेस की गहरी समझ रखने वाले लोग चाहिए। दक्षिण कोरिया में जिन सेक्टर में सबसे ज्यादा AI का इस्तेमाल हुआ वहां ऐसा ही ट्रेंड दिखने को मिला है।

कंपनियां अब पुराने कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बजाय नए लोगों को नौकरी पर रखना ही बंद कर रही हैं।

लक्ष्य : पीएम से मिले स्पेस स्टार्टअप्स के फाउंडर्स ने बताए प्लान, स्काईरूट हर महीने रॉकेट लॉन्च करेगी

भारत की स्पेस में पेट्रोल-पंप लगाने दवाइयां बनाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप, कचरा हटाने वाले रोबोट और हवा में तैरती दवाइयां। भारत का स्पेस सेक्टर अब फिल्मों में दिखने वाली टेक्नोलॉजी सच करने पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के 20 स्पेस स्टार्टअप्स फाउंडर्स से खास बातचीत की।

पीएम ने भरोसा दिलाया कि सरकार उद्यमियों का हाथ कभी नहीं छोड़ेगी। रिस्क लेने वालों को पूरा सपोर्ट मिलेगा। ये बातचीत 21 अगस्त को की गई थी, लेकिन वीडियो आज 23 अगस्त को रिलीज किया गया है।

जैसे सड़क पर गाड़ी का पेट्रोल खत्म होने पर हम पंप पर जाते हैं, वैसे ही अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स का ईंधन खत्म हो जाता है। एक भारतीय कंपनी ऐसी तकनीक बना रही है, जो हवा में ही उड़ती हुई सैटेलाइट्स से जुड़कर उनमें दोबारा पेट्रोल-डीजल की तरह ईंधन भर देगी।

वहीं जब धरती पर कोई दवा बनाई जाती है, तो गुरुत्वाकर्षण के खिंचाव के कारण उसके केमिकल्स और प्रोटीन ठीक से मिक्स नहीं हो पाते या नीचे बैठने लगते हैं। इसके उलट, अंतरिक्ष में दवाइयां और प्रोटीन बिना किसी खिंचाव के शुद्ध रूप में आपस में मिलते हैं। इससे दवाइयों के बनने का तरीका बेहद सटीक और साफ होता है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत को एक ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि पूरी दुनिया का टैलेंट स्पेस सेक्टर में करियर बनाने के लिए भारत का रुख करे। भारतीय टैलेंट पूल दुनिया के वैज्ञानिकों को अपनी तरफ खींचने वाले मैग्नेट की तरह काम कर सकता है।

स्पेस सेक्टर को प्राइवेट प्लेयर्स के लिए खोले जाने के बाद एक नया ग्लोबल ट्रेंड दिख रहा है। अमेरिका और यूरोप में काम करने वाले भारतीय इंजीनियर्स अब अपनी नौकरियां छोड़कर भारत लौट रहे हैं और देश के स्पेस स्टार्टअप्स से जुड़ रहे हैं।

स्काईरूट का हर महीने रॉकेट लॉन्च करने का लक्ष्य

स्काईरूट ने पीएम मोदी को बताया कि 18 जुलाई को भारत के पहले प्राइवेट रॉकेट से सैटेलाइट्स को कामयाबी के साथ ऑर्बिट में स्थापित किया था। कंपनी ने अब तक 3 फैक्ट्रियां तैयार कर ली हैं, जिनमें हर महीने एक रॉकेट बनाने की क्षमता है। कंपनी की योजना हर महीने एक रॉकेट लॉन्च करने की है। इसके बाद का लक्ष्य हर हफ्ते एक और भविष्य में हर दिन कई रॉकेट लॉन्च करने का है।

न्यूयॉर्क में पंजाब के 28 साल के युवक की हत्या

पिज्जा डिलीवरी के दौरान मारी गोली

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में पंजाब के एक युवक की मौत का दुखद मामला सामने आया है। न्यूयॉर्क शहर में पिज्जा डिलीवरी के दौरान 28 वर्षीय गुरदीप सिंह की एक अज्ञात शूटर ने गोली मारकर हत्या कर दी। पंजाब के बेगोवाल स्थित उनके गांव के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गुरदीप सिंह 13 साल पहले लोन लेकर अमेरिका गया था। वह वहां कमाई करके भारत में अपने माता-पिता के लिए बेहतर भविष्य बनाना चाहता था।

गुरदीप सिंह के पिता प्यारा लाल ने बताया कि उनके बेटे ने अमेरिका जाने के लिए भारी कर्ज लिया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उसे लंबे समय तक कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लाल ने कहा कि उसने अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने के लिए दिन-रात काम किया।

शक है कि यह हमला लूट की कोशिश में किया गया। न्यूयॉर्क शहर की पुलिस के मामले की जांच करने के बाद ही इस बारे में और जानकारी मिल पाएगी। जैसे ही उसकी मौत की खबर आई जबोवाल गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिवार के सदस्य गहरे सदमे में थे और उन्हें सांत्वना देना मुश्किल हो रहा था। गुरदीप सिंह के परिवार में पिता और एक भाई है। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया है कि उनके शव को जल्द से जल्द भारत लाने में मदद की जाए।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676